शनिवार 12 जुलाई 2025
सूर्योदय प्रातः 05:32 बजे
सूर्यास्त सांय 19:22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बंजारों का शौर्य और उसका स्मरण

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 267 | गाजियाबाद, शनिवार 12 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

फास्टैग चिपका न हुआ तो काली सूची में दर्ज होगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि वाहनों के अगले शीशे पर सही ढंग से फास्टैग न लगाने वाले चालकों को काली सूची में डालने से जुड़ी प्रक्रिया को मजबूत किया गया है। मतलब ऐसा फास्टैग जो वाहन की विंडस्क्रीन पर चिपका नहीं है, बल्कि चालक के हाथ में है या ऐसी जगह पर है जहां से उसे आसानी से स्कैन नहीं किया जा सकता। एनएचएआई ने कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, इस मुद्दे को हल करना अहम है। 'लूज फास्टैग से टोल प्लाजा पर भीड़भाड़, झूठे चार्जबैक, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह ढांचे में व्यवधान, टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी जैसी असुविधाएं होती है। एनएचएआई ने ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग के लिए अलग से ईमेल आईडी मुहैया कराई है। प्राधिकरण ने कहा कि संबंधित फास्टैग को तत्काल काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाएगी। काली सूची का मतलब? फास्टैग काली सूची का मतलब है कि आपका फास्टैग निष्क्रिय हो गया और अब काम नहीं करेगा और आप टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान नहीं कर पाएंगे।

बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के नियम बदले

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। यूआईडीओआई ने बाल आधार नामांकन को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। अब अभिभावकों को बच्चों का आधार बनवाने के लिए निर्धारित दश्तावेजों की सूची में से प्रमाण देने होंगे। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जरूरी दश्तावेजों में शामिल हैं, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र या अस्पताल से डिस्चार्ज स्लिप, माता या पिता का आधार कार्ड, रिश्ते का प्रमाण, जिससे यह साबित हो सके कि बच्चा उन्हीं का है, फोटो, जिसमें वो थोड़ा मुस्करा रहा हो। एक अधिकारी के अनुसार इस बदलाव से नामांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और बच्चों के रिकॉर्ड में सही जानकारी बनी रहेगी। आधार कार्ड हर भारतीय निवासी को एक 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या देता है। इस पहचान पत्र में व्यक्ति की बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय जानकारी होती है और यह नागरिकता नहीं, बल्कि निवास का प्रमाण माना जाता है। आज आधार दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल पहचान प्रणाली बन चुकी है। बायोमेट्रिक अपडेट का समय बच्चों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अब पांच और 15 वर्ष की उम्र में बायोमेट्रिक अपडेट अनिवार्य होगा। इसमें फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन और नई फोटो ली जाती है। ये पूरी प्रक्रिया निशुल्क होती है।

मोदी रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक को नियुक्ति पत्र देंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय

बेटी के एकेडमी चलाने से था नाराज, इसलिए कर दी हत्या

इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव मामले में खुलासा

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में जूनियर इंटरनेशनल टेनिस प्लेयर राधिका यादव की उसके ही पिता दीपक यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार की है। पुलिस ने आरोपी दीपक यादव को घर से ही अरेस्ट किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में

- **हरियाणा में घर में ही 3 गोलियां मारीं, पुलिस ने किया गिरफ्तार**

सामने आया है कि राधिका टेनिस एकेडमी चलाती थीं, उससे अच्छी कमाई हो रही थी। उसके पिता को लोग ताने मारते थे कि बेटी की कमाई खा रहा है। इससे वह नाराज था। परिजन के मुताबिक 25 साल की राधिका को टेनिस एकेडमी खोलने के लिए पिता ने ही सवा करोड़ रुपए दिए थे लेकिन महीनेभर बाद ही

एकेडमी बंद करने के लिए बेटी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। परिवार से यह भी पता चला कि एकेडमी को लेकर 15 दिन से बाप-बेटी में रोजाना झगड़ा हो रहा था। गुरुवार को भी पिता ने उसे टेनिस एकेडमी बंद करने को कहा, लेकिन राधिका नहीं मानी और दोनों में बहस हुई। जिसके बाद आरोपी पिता ने गुस्से में आकर उसे गोलियां मार दीं। हालांकि, पहले सोशल मीडिया पर रील बनाने को लेकर हत्या करने की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस ने इससे इनकार किया है।

बोर्ड करेगा पोस्टमॉर्टम वीडियोग्राफी भी होगी

गुरुग्राम के सिविल अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस में राधिका का शव रखा गया है। बोर्ड पोस्टमॉर्टम करेगा। पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं। राधिका की मां मंजू यादव ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं थीं। उन्हें बुखार था। हालांकि राधिका के चाचा कुलदीप का कहना है कि फायरिंग के वक्त राधिका की मां घर की पहली मंजिल पर मौजूद थी।

किचन में खाना बनाते वक्त 3 गोलियां मारीं

आरोपी दीपक के भाई कुलदीप यादव ने पुलिस को दी शिकायत की है। कुलदीप ने कहा कि सेक्टर 57 के सुशांत लोक फेस-2 में स्थित घर की पहली मंजिल पर दीपक, उसकी पत्नी मंजू और बेटी राधिका रहते थे, जबकि मैं अपने परिवार के साथ ग्राउंड फ्लोर पर रहता हूं। गुरुवार सुबह दीपक का राधिका के साथ एकेडमी बंद करने को लेकर विवाद हुआ। जब राधिका किचन में खाना बना रही थी, उसी वक्त दीपक ने पीछे से उसे अपनी लाइसेंसी पिस्टल से 3 गोलियां मार दीं। कुलदीप ने कहा कि सुबह के समय मैं ग्राउंड फ्लोर पर था। मैंने तेज आवाज सुनी और जब मैं पहली मंजिल पर गया तो राधिका को रसोई में खून से लथपथ पड़े पाया। जबकि पिस्टल ड्राइंग रूम में पड़ी थी। मैं और मेरा बेटा उसे एशिया मैरिंगो अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ओडिशा में 40 हजार से ज्यादा महिलाएं हो गई हैं गायब

भुवनेश्वर में गरजे राहुल गांधी, बीजेपी सरकार पर किया बड़ा प्रहार

भुवनेश्वर (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर के बारामुंडा मैदान में एक विशाल रैली 'संविधान बचाओ समावेश' को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएं गायब हो गई हैं। आज तक नहीं मालूम कि ये महिलाएं कहां पर गईं। महिलाओं के खिलाफ हर रोज यहां पर अत्याचार होता है। यहां की सरकार को इससे कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी ने कहा, 'ओडिशा सरकार का एक ही काम है कि राज्य के गरीब लोगों के हाथों से ओडिशा का धन चुराना। पहले बीजेडी सरकार ने यही किया और अब बीजेपी सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, और दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और बीजेपी सरकार है। यह लड़ाई जारी है। केवल कांग्रेस कार्यकर्ता, ओडिशा की जनता के साथ मिलकर, इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं।' कांग्रेस सांसद ने कहा, 'बीजेपी लगातार संविधान पर आक्रमण कर रही है। जिस तरह से महाराष्ट्र में चुनाव चोरी किया गया, उसी तरह से बिहार में चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। चुनाव चोरी करने के लिए चुनाव आयोग ने नई साजिश शुरू की है। चुनाव आयोग बीजेपी का काम कर रहा है, अपना काम

नहीं कर रहा है। महाराष्ट्र के लोक सभा और विधानसभा चुनाव के बीच एक करोड़ नए वोटर आ गए, लेकिन अभी तक किसी को नहीं मालूम यह वोटर कौन थे और कहां से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार कहा कि- हमें वोटर लिस्ट दीजिए, वीडियो दीजिए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं दे रहा। ये लोग बिहार का चुनाव भी चोरी करना चाहते हैं, पर हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी को चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसका अनुसरण करते हैं।

एक फोटो तो दिखाएं जिसमें भारत का नुकसान नजर आए

- **ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए अजीत डोभाल**

चेन्नई (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबरें चलाईं। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। एनएसए ने कहा- वे कहते रहे कि पाकिस्तान ने ये किया, वो किया लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आए। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो। हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या कर दी थी।

अपने पक्ष में एकजुट करने में जुटी पार्टी, विपक्ष भी तैयार

मराठा-पेशवा पॉलिटिक्स से महाराष्ट्र में 'खेला' की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा पॉलिटिक्स के साथ पेशवा पर राजनीति शुरू हो गई है। खासकर 4 जुलाई के बाद से, जब गृह मंत्री अमित शाह ने खडकवासला स्थित नेशनल डिफेंस अकैडमी में पेशवा बाजीराव प्रथम की प्रतिमा का अनावरण किया है। इसके पहले बीजेपी की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने पुणे स्टेशन का नाम बदलकर पेशवा बाजीराव प्रथम के नाम पर रखने की मांग की थी। यह माना जा रहा है कि बीजेपी ने गैर मराठा वोटों को अपने पक्ष में एकजुट करने के लिए बाजीराव

पेशवा को पहचान दी जा रही है। अमित शाह के कार्यक्रम के बाद पेशवा के विरासत पर भी बहस छिड़ गई है। बाजीराव-मस्तानी की 8वीं पीढ़ी के वंशज नवाब शादाब अली बहादुर अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र में 32 प्रतिशत मराठे हैं, जो करीब 150 विधानसभा सीटों पर प्रभावशाली हैं। राज्य में बने 18 मुख्यमंत्रियों में से 10 मराठे हैं। इसके अलावा राज्य की राजनीति में ब्राह्मण नेताओं ने भी बड़ा कद हासिल किया है। वहां दशकों से मराठा और ब्राह्मणों के बीच राजनीतिक वर्चस्व मुद्दा रहा है।

शहीद पायलट ऋषिराज सिंह का अंतिम संस्कार

- **फफक-फफक कर रोने लगे पिता, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि**

पाली (एजेंसी)। चूरू में जगुआर फाइटर जेट क्रैश में शहीद हुए फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा (23) का पैतृक गांव में सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। छोटे भाई युवराज सिंह ने उनको मुखाग्नि दी। शहीद के अंतिम संस्कार के दौरान पिता जसवंत सिंह भावुक हो गए और रोने लगे। वायुसेना के जवानों ने शहीद ऋषिराज सिंह को गार्ड ऑफ ऑन देकर आखिरी सलामी दी। इससे पहले पैतृक गांव में

शहीद की तिरंगा यात्रा निकाली गई। आगे वायुसेना के जवान पीछे गांव वाले भारत की माता की जय और ऋषिराज अमर रहे के नारे लगाते हुए चले। शहीद की पार्थिव देह शाम करीब 6.10 बजे पैतृक गांव खिवांदी (पाली) लाई गई। शहीद के अंतिम दर्शन के लिए घर के आंगन में पार्थिव देह को रखा गया, जहां परिजनों और आसपास के गांवों से आए लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सिंधु जल को लेकर भारत ने बनाया नया प्लान

- **चिनाब नदी पर क्वार बांध परियोजना को गति देने की है तैयारी**

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल समझौते पर रोक के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस बीच भारत ने एक नया प्लान तैयार कर लिया है, जो पाकिस्तान की नींद उड़ा देगा। भारत सरकार जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर एक महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजना क्वार बांध के निर्माण में तेजी लाने जा रही है। इसके लिए 3119 करोड रुपये के कर्ज की मांग की गई है।

40 खातों में 106 करोड़, 'जाति' के हिसाब से था रेट

धर्मांतरण मामले में धीरे-धीरे टूट रहा है छांगुर बाबा का तिलिस्म

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड और प्रवर्तन निदेशालय ने धर्मांतरण गिरोह के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर शिकंजा कस दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी की जांच में सामने आया कि बाबा और उसके साथियों के पास 40 से अधिक बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये से अधिक की रकम थी, जिनमें से अधिकांश पैसा पश्चिम एशिया से आया हुआ बताया गया है। छांगुर बाबा का असली नाम जमालुद्दीन है। यूपी के बलरामपुर के रेहरा माफी गांव का निवासी है। कभी छोटे स्तर पर रत्न बेचने वाला यह शख्स मुंबई के हाजी अली दरगाह जाता था और वहीं से उसका आध्यात्मिक सफर शुरू हुआ। धीरे-धीरे वह खुद को 'रूहानी बाबा' बताने लगा। 2020 के बाद छांगुर बाबा की आर्थिक स्थिति अचानक बदल गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कथित रूप से अपने चमत्कारी इलाज और दुआओं से

हजारों लोगों को अपने प्रभाव में लिया और धीरे-धीरे 3,000 से 4,000 गैर-मुस्लिमों का धर्मांतरण कराया, जिनमें से 1,500 से ज्यादा महिलाएं थीं। धार्मिक प्रवचन, इलाज, और आश्चर्यजनक चमत्कारों के नाम पर लोगों को आकर्षित किया जाता था। फिर धीरे-धीरे उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित कर इस्लाम स्वीकार करने के लिए कहा जाता था। एक 'रेट लिस्ट' भी एटीएस को मिली है, जिसमें महिलाओं के धर्मांतरण के अलग-अलग मूल्य बताए गए हैं।

छांगुर बाबा की मुख्य सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन थीं, जो पहले एक व्यापारी नवीन रोहरा की पत्नी थीं। धर्मांतरण के बाद वे बाबा के साथ रहने लगीं और उनके साथ कारोबार में सहयोग करने लगीं। एटीएस और जिला प्रशासन की टीमों ने बलरामपुर में बाबा के अवैध बंगले को गिरा दिया है। बंगले की भव्यता देखकर अधिकारी हैरान रह गए। उसमें इम्पोर्टेड टाइल्स और मार्बल, 15-15 फीट का मॉड्यूलर किचन, 10 सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रिक फेंसिंग, दुबई से मंगाया गया स्पेनिश ऑयल और विदेशी परफ्यूम के साथ-साथ एक सीक्रेट कंट्रोल रूम भी मिला जिससे पूरा परिसर मॉनीटर होता था इसके अलावा सरकारी जमीन पर मदरसा, अस्पताल और कॉलेज भी अवैध रूप से बनाए गए थे। अब ये सभी प्रशासन की जांच के दायरे में हैं।

प्रेम प्रसंग में पत्नि ने प्रेमी से करवाई थी अपने पति की हत्या

✸एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸

विगत 10 जुलाई 2025 को अभियुक्तगण द्वारा योजना बनाकर वादी के भाई सुरेश की गोली मारकर हत्या कर देना व वादी के ऊपर जान से मारने की नीयत से फायर करने के सम्बन्ध में वादी विजय कुमार पुत्र गोविन्द राम निवासी मौहल्ला कोठी अम्बेडकर स्कूल के सामने थाना बरला जनपद अलीगढ़ की तहरीर के आधार पर थाना पर बीएनएस पंजीकृत किया।

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बरला के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बरला पुलिस टीम ने बीएनएस में वांछित अभियुक्त मनोज पुत्र रामगोपाल निवासी कोठी मोहल्ला अम्बेडकर स्कूल के पास बरला थाना बरला जिला अलीगढ़ व बीना पत्नी सुरेश कुमार निवासी कोठी मोहल्ला अम्बेडकर स्कूल के पास बरला थाना बरला जिला अलीगढ़ को नगला खारी जाने वाले रोड पर भट्टे के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्त मनोज की जामा तलाशी से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक तमंचा 315 बोर, एक जिन्दा कारतूस, नाल में फँसा हुया एक खोखा कारतूस व एक मोबाइल फोन बरामद हुया व अभियुक्ता से भी एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

बाइक के साइलेंसर को लेकर विवाद घर में घुसकर मां-बेटे को पीटा

✸एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸

बाइक के साइलेंसर की तेज आवाज को लेकर एक दर्जन दबंगों ने घर मे घुसकर युवक और उसकी पिटाई कर, लाठी डंडे से प्रहार कर दोनो को घायल कर दिया। घटना के वक्त पीड़ितों के परिजन खेत पर गए थे। गुरुवार देर रात्रि घायल मां बेटे को पुलिस ने जिला अस्पताल भेज दिया। पीड़ित परिवार ने दबंगों के खिलाफ शिकायत दी है।

टप्पल थाना इलाके के गांव रामगढ़ी के रहने वाले कन्छ कुमार किसान हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले उनका भतीजा बाइक में तेल डलवाने पास के ही एक पेट्रोल पंप पर गया था। जहां बाइक के साइलेंसर की तेज आवाज होने के चलते कुछ दबंगों से उसका विवाद हो गया। भतीजे की दबंगों ने पिटाई कर दी। लेकिन कुछ लोगों ने बीच बचाव कर भतीजे को घर भेज दिया था। गुरुवार को खेत पर गए हुए थे। घर मे भतीजा तोता और उसकी मां ओमवती थे। आरोप है तभी एक दर्जन से अधिक दबंग घर मे घुस गए। सभी शराब के नशे में थे।

दबंगों ने मां बेटे को बेरहमी से पीटा। शोर शराबा सुनकर पड़ोसी एकत्र हो गए। जिसके बाद आरोपी भाग गए। घटना की सूचना पर परिजन घर आ गए। सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। पुलिस घटनास्थल पर आ गई। परिवार वाले घायल मां बेटे को थाने लेकर पहुंचे। इसके बाद दोनों सीएचसी टप्पल पहुंचे। जहां से जिला अस्पताल मलखान सिंह सिंह रेफर कर दिया।

रेलवे स्टेशन के पास मिला युवक का शव, नहीं हो पाई पहचान

✸एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸

गांधीपार्क थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे रोड पर एक अज्ञात युवक का शव मिला। लोगों ने पुलिस को फोन करके इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को लेकर अस्पताल गई। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी पहले ही मौत हो चुकी है।

उसके बाद पुलिस ने लाश को मोर्चरी में रखवा दिया। उसके पास से कोई दश्तावेज नहीं मिले, अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई। रेलवे रोड पर गुरुवार देर रात पुलिस को अज्ञात व्यक्ति के पड़ा होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद गांधी पार्क पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी उम्र 35-40 वर्ष के करीब बताई जा रही है। वहीं मृतक ने मैहरून कलर की टी-शर्ट पहनी हुई थी। आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है। शिनाख्त होने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिससे कि मृतक की मौत के कारण स्पष्ट किए जा सके। पुलिस क्षेत्र में लापता हुए लोगों की जानकारी भी जुटा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जिससे कि यह पता लगाया जा सके कि मृतक घटना स्थल पर कैसे पहुंचा था।

मिशन शक्ति अभियान: महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

✸एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✸

एसएसपी संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया।

जहां 10,000 आबादी, वहां जाकर पीएम ले रहे सम्मान

चंडीगढ़/नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों और इस दौरान उन्हें मिले कई देशों के सर्वोच्च सम्मान पर तंज कसा है। चंडीगढ़ में सीएम मान ने कहा, पीएम घाना गए हैं, कहां गए हैं? पता नहीं कौन-कौन से देश मैग्नीशिया, गलवेशिया, तरवेशिया, पता नहीं कहां-कहां जा रहे हैं। जहां 140 करोड़ लोग रह रहे हैं, वहां रह नहीं रहे और जिस देश में जा रहे हैं उसकी आबादी कितनी है? महज 10 हजार है और सबसे बड़ा अवॉर्ड वहां का मिल गया। सीएम मान ने कहा कि 10 हजार लोग तो जेसीबी देखने के लिए आ जाते हैं यहां। अब क्या मोदी वाले सवाल भी मुझ से ही पूछोगे कि उन्होंने ग्यारह साल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रैंस नहीं की, मैं तो रोज तीन करता हूं। इधर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पंजाब सीएम के बयान पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ये टिप्पणियां गैर-ज़िम्मेदाराना और खेदजनक हैं और सरकार में शीर्ष पद पर बैठे किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी टिप्पणी करना शोभा नहीं देतीं। उन्होंने कहा, हमने एक उच्च सरकारी प्राधिकारी द्वारा ग्लोबल साउथ के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में की गई कुछ टिप्पणियाँ देखी हैं। ये टिप्पणियाँ गैर-ज़िम्मेदाराना और खेदजनक हैं और सरकारी प्राधिकारी को शोभा नहीं देतीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है जो मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमज़ोर करती हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि एसवाईएल के मुद्दे पर कल ही बैठक हुई थी। मैंने वहां बोला है कि सिंधु जल सं?धि

आपने रद्द कर दी, कृपया इसको ट्रंप के कहे या किसी अन्य दबाव की वजह से फिर से बहाल मत करना। झेलम का पानी हमारे पास नहीं आ सकता, क्योंकि वो दूर है। चिनाब, रावी और कश्मीर की उझ दरिया का सारा पानी पंजाब आ जाए। पौंग डैम या फिर रणजीत सागर या भाखड़ा में आ जाए। वह 23 एमएएफ पानी आ सकता है जबकि एसवाईएल का झगड़ा एक या दो एमएएफ के लिए ही है। अगर 23 एमएएफ आ गया तो मैं कहां संभालूंगा। नहरें बनानी पड़ेंगी। पंजाब को भी पानी मिलेगा, आगे अरब सागर में भी जा सकता है। मई में पाकिस्तान के ?खिलाफ की गई भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर भी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भाजपा घर-घर जाकर सिंदूर बांटेगी, उन्होंने कहा था कि क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या यह एक राष्ट्र, एक पति योजना है? उन्होंने भाजपा पर इसका राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया था।

बता दें कि 7 मई को भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में कई आतंकी ढांचे को निशाना बनाया था, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े सैंकड़ों आतंकवादी मारे गए थे।

पंजाब के मंत्री ने लगाए बड़े आरोप, कहा- लॉरेंस बिश्नोई को भाजपा बचा रही है

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन राज्यों को हिंसा के जरिए अस्थिर करने की कोशिशों के तहत कुख्यात अपराधियों को संरक्षण दे रही है जहां उसका शासन नहीं है। चीमा ने अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की हाल ही में हुई हत्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इस हत्या के पीछे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का हाथ है, जो गुजरात सरकार के 'संरक्षण' में वहां की जेल में बंद है।

चीमा ने सवाल किया, उसे (बिश्नोई को) सुरक्षा क्यों दी गई है और उसे जेल में क्यों रखा गया है? पंजाब के वित्तमंत्री ने सवाल किया, लॉरेंस बिश्नोई को गुजरात कौन ले गया और उसे वहां क्यों सुरक्षित रखा जा रहा है? ऐसा लगता है कि भाजपा उसे इसलिए बचा रही है ताकि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में अशांति पैदा करने के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि व्यापारियों को निशाना बनाने और समाज में भय

फैलाने के लिए कुख्यात अपराधियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। चीमा ने आरोप लगाया, जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं है, वहां वे शांति भंग करने के लिए अपराधियों और गैंगस्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह देश के संघीय ढांचे और कानून-व्यवस्था के खिलाफ एक खतरनाक साजिश है। 'न्यू वेयर वेल जेंट्स टेलर' शोरूम के सह-मालिक वर्मा की सात जुलाई को अबोहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र भगत सिंह चौक के पास दिनदहाड़े तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

वर्मा की हत्या के बाद विपक्षी दलों ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। चीमा ने केंद्र और गुजरात सरकार से अपील की कि बिश्नोई को तुरंत उन राज्यों और अदालतों में स्थानांतरित किया जाए जहां उसके खिलाफ मामले दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोकतंत्र में विश्वास खो दिया है और अब वह 'राजनीति को हिंसा से बदलने' की कोशिश कर रही है।

कर्नाटक में ढाई-ढाई साल वाले फॉर्मूले से सिद्धारमैया का इनकार, अब क्या करेंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सरकार के आधे कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद सौंपे जाने का कोई समझौता नहीं हुआ था। उन्होंने दो टूक कहा कि राज्य में कोई 50-50 फॉर्मूला नहीं है और मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। सीएम ने कहा, मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री हूं और आपके सामने बैठा हूं। ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ था कि कार्यकाल आधा होने के बाद किसी को पद सौंपा जाएगा। डीके शिवकुमार ने खुद भी कहा है कि मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वह और शिवकुमार दोनों कांग्रेस हाईकमान के फैसले का पालन करेंगे।

सिद्धारमैया ने यह भी खुलासा किया कि वह अब तक राहुल गांधी से मुलाकात नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा, अगर राहुल गांधी समय देंगे तो मैं उनसे मिलूंगा।

गुरुवार देर शाम तक न तो सिद्धारमैया और न ही शिवकुमार की गांधी परिवार से मुलाकात हो पाई थी। आपको बता दें कि जब 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनी तो यह अटकलें जोरों पर थीं कि मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच साझा किया जाएगा। हालांकि, पार्टी नेतृत्व की ओर से इसे कभी आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि सिद्धारमैया का यह बयान सिर्फ मीडिया के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली स्थित हाईकमान और उनके गृहराज्य के नेताओं को भी सीधा संदेश है। वहीं, कर्नाटक कांग्रेस और सरकार के बीच संगठनात्मक समन्वय, मंत्रिमंडल विस्तार और कई लंबित मुद्दों पर बातचीत के लिए दोनों नेता दिल्ली पहुंचे हैं।

एलोपैथी और योग का संयोजन: उपचार की सफलता दर में वृद्धि

✸एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

योग केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य प्राप्ति का एक वैज्ञानिक साधन बन गया है। चिकित्सा की दृष्टि से, योग कई रोगों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है।

डॉ. सौरभ गोयल एमबीबीएस, एमडी, कंसल्टेंट फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट और डायबिटोलॉजिस्ट गाजियाबाद ने कहा, 'योग केवल शरीर को लचीला बनाने का साधन नहीं है, यह हमारे मन और आत्मा को भी संतुलित करता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना समय की मांग है। इसी बात को साबित करने के लिए शहर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मरीजों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी योग प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के महत्व को समझने और योग के माध्यम से उसे मजबूत बनाने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन एक प्रमाणित योग प्रशिक्षक द्वारा किया गया, जिससे प्रतिभागियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से योग की विधियों और लाभों को जानने का अवसर मिला। इस तरह की पहल न केवल लोगों को जागरूक करती है, बल्कि उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है।' डॉ. गोयल ने यह भी कहा कि वर्तमान जीवनशैली में तनाव, असंतुलित आहार और अनियमित दिनचर्या के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और मानसिक विकार जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। चिकित्सा विज्ञान के अनेक शोध बताते हैं कि नियमित योगाभ्यास से इन समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है और इससे जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

प्राणायाम और ध्यान जैसे योगाभ्यास न केवल हृदय गति को संतुलित और रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं, बल्कि तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) के श्तर को भी कम करते हैं। इससे हृदय स्वस्थ रहता है और मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि आज मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक चुनौती बन गया है और योग इसका एक सशक्त समाधान बनकर उभरा है। वर्तमान में अनेक चिकित्सा संस्थान और अस्पताल एकीकृत चिकित्सा की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जहाँ एलोपैथिक चिकित्सा के साथ-साथ योग, ध्यान और जीवनशैली में सुधार को उपचार का अंग बनाया जा रहा है। इससे न केवल उपचार की सफलता दर बढ़ती है, बल्कि रोगियों की रिकवरी भी अधिक प्रभावी होती है।

छत्तीसगढ़ में 14 जुलाई से शुरू होगा मॉनसून सत्र, कई मुद्दों पर घेरेगी कांग्रेस, 966 सवाल तैयार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में इस बार विधानसभा के मानसून सत्र में जमकर हंगामा होने के आसार हैं। यह सत्र 14 से 18 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। समय कम होने की वजह से भाजपा सरकार को घेरने के लिए विपक्षी कांग्रेस हर दिन स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। इसकी अंतिम रणनीति कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनेगी। विधानसभा सदन में विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों के भी तीखे तेवर देखने को मिल सकते हैं।

छत्तीसगढ़ मानसून सत्र के लिए विधायकों ने 996 सवाल लगाए हैं। राज्य सरकार को करीब डेढ़ साल हो गए हैं, इसलिए माना जा रहा है कि इस बार भाजपा सरकार में हुई गड़बड़ियों के सवाल को प्रमुखता से उठाया जाएगा। मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए इस बार मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास मुद्दों की कमी नहीं है। किसानों को खाद-बीज की समस्या, कानून व्यवस्था, शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण, पेड़ की कटाई, अवैध रेत उत्खनन और परिवहन, शराब की अवैध बिक्री, सीजीएमएससी दवा खरीदी आदि

मुद्दों पर सवाल लगे हैं। रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कारिडोर यानी भारतमाला परियोजना पर भी सदन गरमा सकता है। मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधेयक पेश भी कर सकती है, जिसमें राजस्व, आवास एवं पर्यावरण विभाग के विधेयक आने की संभावना है। वहीं राज्य सरकार द्वारा अन्य विषयों पर भी विधेयक लाया जा सकता है। सत्र के दौरान राज्य सरकार अनुपूरक बजट भी ला सकती है। इधर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान विपक्ष के हमलों का सामना करने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास मुद्दे नहीं है। प्रदेश में भाजपा सरकार बेहतरी से काम कर रही है।

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस मानसून सत्र के दौरान आक्रामक तेवर दिखाएगा। भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार के कामकाज को लेकर कई सवालों के अलावा चर्चा के दौरान विभागों में चल रही गड़बड़ियों पर सवाल उठाएगा। कांग्रेस के शीर्ष संगठन द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद सदन में सरकार को घेरने विपक्ष तैयारी कर रहा है। आने वाले दिनों में होने वाली कांग्रेस विधायक दल की बैठक में इसकी रणनीति तय होगी। दो दिन पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस की बड़ी बैठक ली थी। इसमें सरकार को जनता से जुड़े मुद्दों पर घेरने की नसीहत भी दी गई है।

राजस्थान में स्कूली बुक्स से गांधी फेमिली को हटाने की बात, मंत्री दिलावर पर भड़की कांग्रेस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम से दो किताबें हटाने की घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि ये किताबें केवल गांधी परिवार के कुछ कांग्रेसी नेताओं का महिमामंडन करती हैं। इसके साथ ही सूबे के शिक्षा मंत्री ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में कथित तौर पर एकतरफा इतिहास पढ़ाए जाने का आरोप लगाया। मदन दिलावर के इस बयान पर कांग्रेस आगबबूला हो गई और उसने आरोप लगाया कि यह फैसला भाजपा और आरएसएस की संकीर्ण मानसिकता का उदाहरण है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद स्वर्णिम भारत किताब के भाग 1 और 2 में कांग्रेस के कुछ नेताओं का महिमामंडन किया गया है। खासकर उनका जिन्होंने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए लोकतंत्र की हत्या की। इन किताबों में महान नेताओं जैसे सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, बीआर अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ऐतिहासिक योगदान का जिक्र नहीं है। ये किताबें केवल गांधी परिवार का महिमामंडन करती हैं जिन्होंने देश में आपातकाल लगाया था।

इसके साथ ही शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने ऐलान किया कि हम छात्रों को ऐसी किताबें नहीं पढ़ाने देंगे। जिन लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में बाधा डाली और अनुच्छेद 370 लागू किया उनके बारे में बच्चों को सम्मानपूर्वक कैसे पढ़ाया जा सकता है। इस किताब में तो पीएम मोदी, पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जैसे लोगों का जिक्र होना ज्यादा जरूरी है। ये किताबें पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं जबकि परीक्षाओं में अंकों के लिए इनका कोई महत्व नहीं है। ऐसे में छात्रों पर बोझ क्यों डाला जाए?

शिक्षा मंत्री के बयान पर सूबे की सियासत गर्म हो गई है। कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मंत्री दिलावर उस किताब को लेकर बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं, जिसमें महान भारतीय नायकों के योगदान को दर्शाया गया है। यह एक वैचारिक हमला है और शिक्षा व्यवस्था पर आरएसएस की संकीर्ण सोच का नतीजा है। ये किताबें भाजपा सरकार, शिक्षा मंत्री और अन्य सरकारी अधिकारियों की अनुमति से छापी गई थीं। अब ताक कुल 4.90 लाख किताबें छप चुकी हैं और 80 प्रतिशत छात्रों को बांटी भी जा चुकी हैं।

प्रिंसिपल ने बाल कटवाकर आने को कहा, गुस्साए छात्रों ने चाकू मारकर कर दी हत्या

हिसार , एजेंसी। गुरु पूर्णिमा के दिन हरियाणा के हिसार के एक स्कूल में कक्षा 12वीं के दो छात्रों ने अपने प्रिंसिपल की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शुरुआती जांच के मुताबिक प्रिंसिपल ने छात्रों से स्कूल आने से पहले बाल कटवाने और स्कूल में अनुशासन के साथ रहने के लिए कहा था। इससे गुस्साए दोनों छात्रों ने प्रिंसिपल के ऊपर चाकू से कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी वहां से भाग खड़े हुए।

रिपोर्ट के मुताबिक हिसार के बास बादशाहपुर गांव के करतार मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल जगबीर सिंह की हत्या उनके ही स्कूल में पढ़ने वाले दो छात्रों ने कर दी। यह घटना सुबह के समय करीब 10-30 पर हुई थी। इस हमले में प्रिंसिपल गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

स्थानीय निवासियों ने तुरंत ही घटना की जानकारी पुलिस को दी और कुछ ही देर में वहां पर पुलिस पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। हांसी पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर यह पता चला है कि प्रिंसिपल ने दोनों नाबालिगों को काट कटवाने और स्कूल के नियमों का पालन करने के लिए कहा था। लेकिन इस चेतावनी से सुधरने की जगह यह दोनों और भी ज्यादा भड़क गए और उन पर हमला कर दिया।

गोली मारने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की नंदनगरी कॉलोनी में दो दिन पहले कार सवार युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीम दबिश दे रही हैं। नगर नंदनगरी कॉलोनी निवासी राहुल मावी मंगलवार को कार से घर जा रहा था। राश्ते में कॉलोनी में रहने वाले अरुण ने उनकी कार पर थूक दिया। इस बात को लेकर विवाद हो गया। इसमें अरुण ने राहुल को गोली मार दी। गोली राहुल का चेहरा चीरती हुई निकल गई। गंभीर हालत में राहुल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में अरविंद कुमार ने गुरुवार को मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। सीओ ने बताया कि अरुण निवासी नंदनगरी कॉलोनी निवासी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश में पुलिस की तीन टीमों को लगाया गया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की कॉलोनी निवासी महिला ने व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। महिला ने बताया कि कुछ समय पूर्व उसकी नमकीन फैक्टरी के मालिक से दोश्ती हो गई। आरोप है कि आरोपी ने शादी करने की बात कहकर उसे दो माह तक बागपत के बलैनी में किराए के मकान में रखा। इस दौरान उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। एक दिन आरोपी लापता हो गया। इस पर महिला उसकी फैक्टरी पर पहुंची। आरोप है कि आरोपी ने पत्नी और बेटे के साथ मिलकर पीड़िता का हाथ तोड़ दिया। सीओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर नीरज निवासी संतपुरा कॉलोनी, उसकी पत्नी और बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र की कस्बा पुलिस चौकी के पास तीन दिन पहले तेज गति में आ रहे ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने ट्रैक्टर मालिक व अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। चिरौड़ी गांव निवासी राहुल गुप्ता तीन दिन पहले दोपहर को बाइक से लोनी जा रहे थे। इस दौरान तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। रोड पर गिरने से वह चोटिल हो गये और बाइक क्षतिग्रश्त हो गई। बावजूद इसके उन्होंने उठकर ट्रैक्टर की चाबी निकाल ली। ट्रैक्टर चालक ने मालिक को बुलाया। ट्रैक्टर मालिक ने उन्हें बाइक ठीक कराने का आश्वासन दिया और ट्रैक्टर को रोड के किनारे लगाने की बात कहते हुए चाबी ले ली। आरोप है कि मौका मिलते ही ट्रैक्टर मालिक व चालक वाहन को लेकर मौके से भाग गए। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जब वह पुलिस के साथ ट्रैक्टर मालिक के पास पहुंचे तो उसने गाली गलौज की। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर ट्रैक्टर मालिक रहीश व अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

युवक को बंधक बनाकर पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के कस्बा फरीदनगर निवासी सलमान ने बताया कि भाई मोहम्मद अहमद गुरुवार रात घर से अचानक चला गया। तलाश करने पर वह सड़क पर रोता हुआ मिला। कारण पूछने पर उसने बताया कि राशिद और साजिद ने बंधक बनाकर पीटा। इसके बाद सलमान ने मोहम्मद अहमद को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराकर भोजपुर थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि राशिद, साजिद निवासी कस्बा फरीनगर पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

घरेलू कलह के चलते विवाहिता ने फांसी के फंदे पर झूलकर दी जान

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। बीती देर रात क्षेत्र के ग्राम मिठ्ठेपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां एक परिवार की महिला ने फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी जान दे दी। संगीता (30) पत्नी राहुल का पिछले दो दिन से अपने पति से झगड़ा चल रहा था। जिससे शुब्ध होकर बीती रात संगीता ने कमरे का दरवाजा बंद करके फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जिसके बाद मृतका के बच्चों सहित पूरे परिवार में कोहराम मच गया ।रात में ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजते हुए अग्रिम जांच शुरू कर दी है। जबकि मृतका के पिता सुनहरी सिंह पुत्र चंदन सिंह ने अपने दामाद राहुल,उसके पिता अमर सिंह,उसकी मां,बहन और जीजा के विरुद्ध हत्या का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्यवाही की मांग की है। मृतका अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गई है।

मासूम की सांप काटने से मौत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। गांव चंचलपुर में एक छ वर्षीय बच्चे को सांप ने काट लिया। घटना के बाद परिजन बच्चे को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बिना इलाज करें उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन परिजन डॉक्टर की बात से संतुष्ट नहीं हुए और पूरी रात बच्चे को लेकर झाड़-फूक करने वाले लोगों के पास जाते रहे। अगले दिन बच्चों की मौत हो गई। गुरुवार की दोपहर छ वर्षीय राघव घर में पड़े सोफे पर बैठा था तभी उसके पैर में सांप ने काट लिया। इसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बच्चों को बिना एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन लगाए उसे मृत घोषित कर दिया।

रॉयल फिटनेस यूनिसेक्स जिम का फीता काटकर उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। गुरुवार की सांय को मुख्य अतिथि शेख शाहनवाज खलील ज़िला अध्यक्ष चेयरमैन संघ बिजनौर अपने समर्थकों के साथ स्थानीय रायपुर रोड, निकट नगीना पार्क ठीक के सामने पहुंचे जहां उन्होंने रॉयल फिटनेस यूनिसेक्स जिम का फीता काट कर उदघाटन किया। रॉयल फिटनेस यूनिसेक्स जिम के स्वामी ओसाम ने उद्घाटन मे आये सभी लोगो का स्वागत किया। रॉयल फिटनेस यूनिसेक्स जिम के स्वामी ने बताया की हमारे यहां अनेक प्रकार की मशीन आयी हुई हैं। जिम करने से अपने आप को रोगों से बचाने के लिए हमें अपनी दिनचर्या मे जिम को शामिल को शामिल करना पड़ेगा।

पत्नी पर शक में पति ने खुद की गर्दन काटी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से अफेयर होने के शक में पति ने अपनी गर्दन काट ली। गर्दन कटी देख परिजन के होश उड़ गए। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने गुरुवार देर रात्रि घायल को परिजनों के साथ इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

थाना बन्ना देवी इलाके के बरौला जाफराबाद में लक्ष्मी का परिवार रहता है। लक्ष्मी और उनके पति मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। दम्पत्ति बेटा और बेटी हैं। लक्ष्मी ने बताया कि वह मजदूरी के अलावा मेले में जूता चप्पल आदि छोटे छोटे सामान बेचती हैं।

इसके चलते कई बार घर वापस आने देर हो जाती है। देर रात्रि में घर पहुंच पाती है। इसी को लेकर पति नाराज होते हैं। घर मे विवाद भी होता है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को मेले में गई थी। इसके बाद घर जाने के बजाय वह वाटर वर्क्स के पास रहने वाले भाई के घर चली गई।

वहां मां और भाभी थे। भाई बरला में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

इसी बीच बेटी वहां आ गई। उसने बताया कि पापा ने गुस्से में आकर अपनी गर्दन काट ली है। उनका काफी खून निकल रहा है। इसके बाद वह बेटी के साथ घर आ गई। इसके बाद पति को साथ लेकर चौकी और थाने पहुंचकर मामले की जानकारी पुलिस को दी। लक्ष्मी ने बताया कि थाना पुलिस ने उनको वहां अस्पताल जाने को कहा और बोला कि अभी थाने पर महिला पुलिस नहीं है। 112 पर फोन करो। गाड़ी आ जाएगी और आपकी पूरी मदद करेगी।

पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करते हुए वह थाने से बाहर रोड पर आ गई। तभी पुलिस की गाड़ी भी वहां पहुंच गई। आरोप है कि पुलिस की गाड़ी उनको जिला अस्पताल लेकर नही आई। उल्टा वह रिक्शा करके थाने पहुंचे। जिला अस्पताल के ईएमओ कासिम ने घायल व्यक्ति को गुरुवार देर प्राथमिक उपचार दिया, तब जाकर परिजनों ने राहत की सांस ली।

स्मार्ट मीटर का भाकियू टिकैत ने किया विरोध

✷एनसीआर टुडे. झालू ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकेत ने नगर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर का

विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सोपा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्वा झालू में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है वो गलत है। जिन उपभोक्ताओं के मीटर सही है, उनके भी स्मार्ट लगावा रहे है हम इसका विरोध करते है।

इस समस्या का शीर्ष निश्तारण नहीं होता तो भारतीय किसान यूनियन अनिश्चित कालिन धरना लगायेगी जिनकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। झालू भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने चेतावनी दी है कि यदि किसानो के विरोध को विभाग ने नजर अंदाज किया तो यूनियन के अगले कदम की सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन तथा बिजली विभाग की होगी ।झालू को मुख्य समस्या बार-बार विजली कटौती तार दूटने रोज की समस्या है ।बिजली घर कोई भी कर्मचारी फोन नहीं उठाते किसी भी समस्या के लिए बिजली घर पर कोई सुनवाई नहीं होती।

गोवंश को बचाने में पलटा ऑटो, हादसे में ऑटो चालक, पत्नी व दो बच्चे घायल

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जीटी रोड पर गुरुवार रात्रि सड़क हादसा हो गया। गौवंश को बचाने के दौरान ऑटो हाइवे पर पलट गया। जिसमें ऑटो चालक सहित उसकी पत्नी और दो बच्चे घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब ऑटो सवार परिवार रिश्तेदार के यहां भंडारे में शामिल होकर घर लौट रहा था।

एम्बुलेंस की मदद से अभी को जिला अस्पताल लाया गया। जहां उनको मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। थाना अकराबाद इलाके के गांव सिकन्दर पुर के रहने वाले मनोज ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके रिश्ते के फूफा उदयवीर नगला बरी थाना विजयगढ़ के रहने वाले हैं।

मनोज ने बताया कि फूफा के घर अखण्ड रामायण का पाठ चल रहा था। गुरुवार को होने के समापन के बाद भंडारा भी हुआ। इसी में शामिल होने वह पत्नी, बेटी नित्या और बेटा गोपाल गए थे। गुरुवार रात्रि घर जा रहे थे। ऑटो सिहोर बम्बा के पास पहुंचा था। तभी अचानक से गोवंश ऑटो के सामने आ गया। मनोज ने बताया कि गोवंश को बचाने में ऑटो के ब्रेक लगाये। जिसके बाद ऑटो पलट गया।

अगर वह गोवंश को बचाने के लिए ब्रेक नहीं लगाता तो शायद ऑटो सिहोर बम्बा में गिर जाता। जिसमे कोई अप्रिय घटना भी हो सकती थी। हादसे के बाद राहगीर एकत्र हो गए। एक राहगीर ने मनोज को पहचान लिया और हादसे की खबर मनोज के रिश्तेदार प्रेमपाल को दी। प्रेमपाल मोके पर आ गए।

हादसे में घायल मनोज, उसकी पत्नी, बेटी और बेटा को एम्बुलेंस की मदद से पहले जसरथ पुर स्थित ट्रॉमा सेंटर ले गए। सभी को जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल की इमरजेंसी इंचार्ज ने बताया कि सड़क हादसे में घायल पति, पत्नी और उनके दो को एम्बुलेंस गुरुवार देर रात्रि लाई थी। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। वहीं, सिर में गंभीर चोट होने के कारण गोपाल नाम के बालक को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

उधर, हादसे की खबर पर मनोज के ससुर, साला व अन्य परिजन अस्पताल आ गए। बालक की हालत देख सभी परेशान हो गए।

महफिल ए मुशायरे में शायरो ने उम्दा कलाम पेश कर खूब दाद हासिल की

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

बज़्म ए जिगर नजीबाबाद की ओर से हुआ उस्माद शायर सोज़ नजीबाबादी के एज़ाज़ में जश्न ए सोज़ नजीबाबादी व महफिल ए मुशायरे का आयोजन। बज़्म ए जिगर की ओर से अदबी खिदमात के उश्ताद शायर को जिगर अवार्ड 2025 से प्रतीक चिन्ह व शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया।

बीती रात मशहूर शायर शादाब जफर शादाब के आवास मौहल्ला नवाबपुरा मे हैदराबाद से तशरीफ़ लाये पूर्व नजीबाबाद निवासी उर्दू के मशहूर साहिब दिवान उश्ताद शायर सोज़ नजीबाबादी के एज़ाज़ में जश्न ए सोज़ नजीबाबादी व महफिल ए मुशायरे का आयोजन बज़्म ए जिगर नजीबाबाद की ओर से किया गया।

इस मौके पर बज़्म ए जिगर नजीबाबाद के सरपरश्त शायर मौसूफ अहमद वासिफ, अध्यक्ष डाक्टर रईस भारती, सेकेट्री शादाब जफर, नायब सेकेट्री डाक्टर तैय्यब जमाल ने शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह जिगर अवार्ड प्रदान किया। इस मौके पर मशहूर शायर मौसूफ अहमद वासिफ ने कहा कि डाक्टर सोज़ नजीबाबादी की ग़जले और उनका शहद से मीठा तरन्नुम अदब नवाज लोगो को आज भी याद है। वो जरियाए माश की खातिर नजीबाबाद से हिजरत कर भले ही हैदराबाद मुकाम हो गये। मगर आज भी वो शहर के साहिब ए ज़ोक लोगों के दिलो में बसे है और हमेशा बसे रहेंगे।

महफिल ए मुशायरे का आगाज तिलावत ए कुरान से डाक्टर तैय्यब जमाल व नात ए नात ए रसूल ए पाक से अकरम जलालाबादी ने किया।ग़ज़ल के दौर में शायर शादाब जफर शादाब ने कहा.... मैं अपने प्यार को बाहो में रख के भूल गया, हसीन ख्वाब था ख्वाबो में रख के भूल गया।

महफिल ए मुशायरे में मौसूफ अहमद वासिफ, उबैद नजीबाबादी, नसीम नजीबाबादी, आसिफ मिर्ज़ा, सूफीयान मुल्तानी, अकरम जलालाबादी, डाक्टर तैय्यब जमाल, कमर कल्हेडवी, डाक्टर रईस भारती और उश्ताद सोज़ नजीबाबादी का कलाम शादाब जफर ने पेश कर खूब दाद हासिल की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बज़्म ए जिगर के सदर डाक्टर रईस भारती ने की व संचालन मेज़बान शादाब जफर शादाब ने किया।

ग़ैर-अल्लाह से मदद माँगने को क़ुरआन और हदीस के ख़िलाफ़ : रशीदी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

इमाम मस्जिद यस शाह और नायब जनरल सेक्रेटरी, जमीयत उलेमा ए

हिंद, नगीना ने आज जुमा के ख़ुत्बे में 'ग़ैर-अल्लाह से मदद माँगना' विषय पर ख़िताब करते हुए।

इसे क़ुरआन और सुन्नत की तालीमात के ख़िलाफ़ क़रार दिया। मौलाना राशिदी ने अपने बयान में कई क़ुरआनी आयतों और हदीसों की रौशनी में वाज़ेह किया कि हर तरह की इश्तिआनत (मदद) सिर्फ़ अल्लाह से ही जायज़ है, और ग़ैर-अल्लाह से ग़ैबी मदद तलब करना अक़ीदा-ए-तौहीद के मुनाफ़ी है। उन्होंने कहाः

'और बेशक मस्जिदें अल्लाह ही के लिए हैं, पस अल्लाह के साथ किसी और को मत पुकारो।' उन्होंने हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रज़ि. की रिवायत की गई हदीस का भी हवाला दिया, जिसमें नबी करीम ने फ़रमायाः

'जब भी सवाल करो तो अल्लाह से, और जब भी मदद माँगो तो अल्लाह से मदद माँगो।'

ख़ुत्बे के इख़्तताम पर मौलाना ने उम्मत के लिए इस्लाह, वहदत और तौहीद पर इश्तिक़ामत की दुआ की। नमाज़-ए-जुमा में बड़ी तादाद में अहल-ए-ईमान ने शिरकत की और मौलाना की गुफ़्तगू को तवज्जो से सुना।

संघटन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी की माता के निधन पर शौक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी हेलीकॉप्टर द्वारा ग्राम हुरनगंला संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी की माता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे और शोकाकुल परिवार के सदस्यों बीच बैठकर उनका दर्द बाटा। सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात रहा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बृहस्पतिवार को अपने निधारीत समय 11-45 बजे हेलीकॉप्टर नगीना नहटोर मार्ग स्थित ग्राम भुरापुर के पेट्रोल पंप पर बने हेलीपैड पर उतरा जहां से वह कार में बैठकर संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी के आवास पहुंचे जहां उन्होंने सबसे पहले धर्मपाल सिंह सैनी की माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्ति की।

बाद में शोकाकुल परिवार के साथ संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी, उनके बड़े भाई मास्टर आनंदपाल सिंह, छोटे भाई यशपाल सिंह, भतीजे अरविंद सैनी, मोनू कुमार सैनी, श्रीमती विमला आनंदपाल, श्रीमती रेखा यशपाल और एक रिश्तेदार खजान सिंह, के साथ बैठे और उनका दर्द बाटा।

उनके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिव प्रकाश भी भी अपने काफिले के साथ संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह को शौक निवेदन व्यक्त करने पहुंचे और परिवार से धैर्य बनाए

रखना को कहा इसी क्रम में अयोध्या के विधायक श्री अभय सिंह, ओंकार सिंह, धर्मवीर प्रजापति, संजीव बालियान पूर्व मंत्री, सुरेश राणा पर गन्ना मंत्री, प्रदेश के कई मंत्री व विधायक भी वहां पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की।

संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी व उनके परिवार के लोगों के बीच बैठकर ढांढस बंधाने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी कार द्वारा हेलीपैड पहुंचे और हेलीकॉप्टर में बैठकर वापस रवाना हो गए।

मीडिया से वार्ता कर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि धर्मपाल सिंह विद्यार्थी परिषद के कमान देहरादून में सम्भाली थी।

इस समय उनके नेतृत्व में काम करने का अफसर मिला धर्मपाल जी एक कुशल व्यवहार और छोटे से छोटे कार्यकर्ता की बात सुनते हैं।उन्होंने अपने कार्यकाल में कभी किसी को नाराज तक नहीं होने दिया वे हर पार्टी नेता कार्यकर्ता के दिल में रहते हैं और उन्हें अपना आदर्श मानते हैं।

धर्मपाल सिंह देहरादून छत्तीसगढ़ के बाद उत्तर प्रदेश कि कमान संभाल रहे हैं और जब सही है आए हैं तभी से पार्टी संगठन मजबूत हुआ है और पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान बड़ा है।

भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, अनूप वाल्मीकि, नीरज बिश्रोई, प्रमोद चौहान, भूप सिंह, डॉ संदीप शर्मा, सचिन शर्मा, चौधरी रणजीत सिंह समेत सैकड़ो भाजपाई मौजूद रहे।

सुरक्षा की दृष्टि से गांव के चप्पे चप्पे पर सुरक्षा कर्मी लगाए गए थे जिससे गांव और आसपास का क्षेत्र पूरा पुलिस छावनी बना रहा।

गरीब की पट्टेशुदा आराजी पर कब्जा कर निर्माण करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

थाना क्षेत्र के ग्राम उमरपुर बांगर निवासी एक व्यक्ति ने कमिश्नर को प्रेषित पत्र में ग्राम प्रधान और उनके पति पर अपनी पट्टे की आराजी पर जबरन कब्जा कर अवैध निर्माण करने की शिकायत की है।

पीड़ित ने कमिश्नर से इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई। पीड़ित का आरोप है कि ग्राम प्रधान और उनके पति गांव में दबंगई दिखाकर सीधे भले लोगों को डरा धमकाकर भयभीत करते हैं, जिससे गांव में प्रधान का खौफ बना है।

- पीड़ित ने मामले की शिकायत कमिश्नर सहित पुलिस क्षेत्राधिकार से की
- ग्राम प्रधान और उनके पति पर धमकाने का लगाया आरोप

गांव उमरपुर बांगर निवासी रणधीर सिंह पुत्र सूखता सिंह ने कमिश्नर से की गई शिकायत में अवगत कराया कि है कि प्रार्थी सीधे सादे कानून का सम्मान करने वाले व्यक्ति है।

उन्होंने बताया कि अपनी आराजी आबादी खसरा नं० 19/2 हाल नम्बर 133 रकबई 500 वर्ग गज स्थित ग्राम उमरपुर बांगर परगना व तहसील धामपुर जिला बिजनौर की बाबत माननीय न्यायालय सिविल जज जू०डि० नगीना में वाद सं० 936/2024, रणधीर सिंह आदि बनाम देशबन्धु आदि दायर कर रखा है।

जिसमें माननीय न्यायालय ने उभयपक्षों को मौके पर यथास्थिति बनाये रखने के आदेश पारित कर रखे है। परंतु प्रतिपक्षी देशबन्धु पुत्र मक्खन सिंह निवासी ग्राम मौहम्मदपुर सादा परगना व तहसील धामपुर जिला बिजनौर जो निहायत ही चालक, झगडालू किस्म का व्यक्ति है।

प्रतिपक्षी माननीय न्यायालय के स्टे आदेश को मानने को तैयार नही है और दौरान मुकदमा प्रार्थीगण की आराजी आबादी में खड़े पेडो को काटकर, ईट फेंककर, बिटौरे, पुराल को खुर्द बुर्द करके कब्जा नाजायज करके निर्माण करने पर आमादा है।

प्रार्थीगण के समझाने पर किसी प्रकार से भी सुनवा नही हो रहा है. और आमादा फौजदारी है। यदि प्रतिपक्षी अपने नाजायज उददेश्य में कामयाब हो गया तो प्रार्थीगण की अपार हानि होगी। न्यायहित में प्रतिपक्षी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही होना अति आवश्यक है। न्यायालय के स्टे आदेश का अनुपालन प्रतिपक्षी पर कराया जाना अति आवश्यक है।

पत्रकार यासीन सोनी के पिता का हृदय गति रुक जाने से हुआ निधन

पत्रकारों में दोड़ी शोक की लहर

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

राष्ट्रीय पत्रकार परिषद के उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार यासीन सोनी के पिता यामीन सोनी 90 वर्ष का हृदय गति रुक जाने से शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनकर मोहल्ले में शोक व्याप्त हो गया।

बड़ी तादाद में नगर के वरिष्ठ नागरिकों पत्रकारों व समाजसेवियों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की। बाद नमाज ईशा उनको बिरादरी की कब्रिश्तान में सपुर्द ख़ाक कर दिया गया।

उनके आवास पर शोक संवेदना प्रकट करने बालों में राष्ट्रीय पत्रकार परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष मुअज्जम हुसैन रियाज़ी, महामंत्री गौरव गोयल, कोषाध्यक्ष मुनीर आलम,आफताब अंसारी नौशाद अंसारी डॉक्टर शेख नगीनवी, मनीष राणा, परवेज़ आदिल, डा आलमगीर काजमी, यासिर शम्सी, शेख जमशेद, अनवर महमूद, खालिद नोमानी, तनवीर आलम अंसारी, खालिद हबीब, अरशद प्रिंस, इमरान अंसारी और बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

दैनिक एन.सी.आर. टुडे परिवार दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उन्हे जन्नत में आला मुकाम अता फरमाए। साथ ही पीडित परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

भाकियू (लोकशक्ति) जिला अध्यक्ष चौधरी वीर सिंह सहरावत ने चलाया सदस्यता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. रायपुर ✷

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति द्वारा ग्राम लालवाला में जसवीर सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष के आवास पर सदस्यता अभियान चलाया गया।

यह अभियान जसवीर सिंह की अध्यक्षता में रहा व अन्नदाता किसान यूनियन मे काफी समय से कार्य कर रहे गुरपेज सिंह ने संगठन को छोड़कर भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

उन्हें जिला महासचिव बनाया गया, जिसमें मोहित चौधरी को मंडल महासचिव बनाया, दिलशाद अहमद जिला सचिव,गुरवीर सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, लाखन तहसील सचिव, बलदेव सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष, गुरविंदर सिंह तहसील उपाध्यक्ष, अमित कुमार युवा तहसील उपाध्यक्ष, प्रेमचंद, अनिल शर्मा, टीकाराम, राजकुमार, व दर्जनों लोगों ने संकल्प लेकर के सदस्यता ग्रहण की जिला अध्यक्ष चौधरी वीर सिंह सहरावत ने अपने शब्दों द्वारा सभी को संबोधित किया।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति और अराजनीतिक संगठन है जिसमें किसानों के समस्याओं को लेकर के चलता है।

चाहे वह बिजली का मामला हो या किसी किसान पर हो रहे उत्पीड़न का बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी किसानो की समस्या नहीं सुनते हैं किसानों को उनका हक और इंसाफ दिलाने का काम संगठन कर रहा है।

सड़क किनारे मिली महिला की लाश, हत्या का आरोप

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। सड़क किनारे संदिग्ध हालत में एक महिला का शव पड़ा मिलने से ग्रामीणों में खलबली मच गई।

मृतका के भाई ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है।सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। गभाना टोल प्लाजा की एम्बुलेंस पर तैनात स्टाफ ने बताया कि बुधवार को सूचना पर मिली चंडौस क्षेत्र में हादसा हो गया है। जिसके बाद एम्बुलेंस मौके पर पहुँच गई।

वहां देखा तो एक महिला घायल अवस्था मे पड़ी थी।खून से लथपथ थी। जिसको पुलिस के साथ जिला अस्पताल मलखानसिंह लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। उधर, जिला अस्पताल आये जनपद बुलन्दशहर के थाना खुर्जा देहात के गांव मोतीपुर के रहने वाले आशीष ने बताया कि करीब 24 वर्षीय बहन की शादी चंडौस क्षेत्र के गांव पहावटी के रहने वाले राजीव के साथ की थी।

राजीव खेतीबाड़ी करता है। आज फोन पर सूचना मिली कि राजीव दीदी के साथ मारपीट कर रहा है। उसको गोली मार दी है। पुलिस ने राजीव को हिरासत में ले लिया है। भाई आशीष ने बताया कि बहन ने राजीव से कपड़े दिलाने को कहा था। इसी बात पर बुधवार सुबह दोनों में विवाद हुआ था। शायद इसी बाद राजीव ने दीदी को गांव के बाहर लाकर गोली मार दी।

संपादकीय

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45, 516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है।

वहीं 1, 99, 944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुश्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22, 030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1, 138 केंद्रीय विद्यालय, 2, 727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17, 553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वाश्तविक योग्यता सामने आ जाती है।

उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11, 474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14, 627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं।

यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक 'रैंक मशीन' बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है।

यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वाश्तव में यही शिक्षा है?

इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। जरूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है। शिक्षकों को भी पाठ्यक्रम पूरा कराने से आगे बढ़कर बच्चों में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सामाजिक चेतना जगानी होगी। जब शिक्षा फिर से इंसान गढ़ने लगेगी, तभी यह राष्ट्र को सही अर्थों में शिक्षित बना पाएगी।

बंजारों का शौर्य और उसका स्मरण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

बंजारों का भारतीय इतिहास में गौरवशाली स्थान है। वे निरन्तर विदेशी हमलावरों अरबों, तुर्कों, मुगलों (एटीएम) और बाद में अंग्रेजों से भी लोहा लेते रहे। एटीएम का मुकाबला करने के कारण ही क्षत्रियों को घर-बार छोड़कर बंजारों का जीवन जीना पड़ा।

अंग्रेजों ने तो बंजारों को क्रिमिनल ट्राइब्ज ही घोषित कर दिया था। लेकिन इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में बंजारों के इतिहास का कहीं जिक्र ही नहीं मिलता। बंजारे पूरे देश में निरन्तर घूमते रहते हैं। देश के एक कोने को दूसरे कोने से जोड़े रखने की ऐतिहासिक प्रक्रिया।

इसी प्रक्रिया से उनमें होता है अदम्य साहस का संचार। बंजारे भारत की आत्मा हैं। भाटों की पुरानी पोथियों में अनेक बंजारों की वंशावलियां भी मिल जाती हैं। आम तौर पर बंजारे गोर या गौर, जिसे कहीं कहीं गौड़ भी लिखते हैं, वंश के माने जाते हैं।

यह वंश राजा भोज से जुड़ता है। राजा भोज, परमार वंश से ताल्लुक रखते थे। आशा की जानी चाहिए कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन करते समय विश्वविद्यालय इस भूल का सिधार करेंगे ही। बंजारों का यह प्रसंग इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि जुलाई में ही बंजारा समाज के ऐतिहासिक नायक लखी शाह बंजारा की जयंती है। लखी शाह बंजारा, बंजारों के लुबाना समुदाय से ताल्लुक रखते थे। सत्रहवीं शताब्दी में जब मुगलों ने नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी ने दिल्ली के चान्दनी चौक में मुगलों का सामना करते हुए आत्म बलिदान दिया था। चान्दनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग अलग पड़े थे।

मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? इसका उत्तर अब लखी शाह बंजारा को देना था। घटनास्थल पर मुगल सेना का पहरा था। मौसम बहुत ही खराब होने लगा था। रात्रि का अन्धकार। तूफान। बादल और बिजली की गर्जना। गुरुजी के शरीर को वहां से कैसे उठाया जाए ताकि विधिवत उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। मुगल शासन से इसकी गुहार लगाना निरर्थक था, क्योंकि मुगल साम्राज्य तो अपने इस अमानुषिक कृत्य से भविष्य में भी भारतीय समाज को आतंकित और भयभीत करना चाहता था ताकि आने वाले समय में भी कोई साम्राज्य के सामने सिर उठा कर न चल सके। लेकिन गुरुजी के इस आत्म बलिदान ने तो जनमानस में आग भर दी थी। अब आगे की कथा इसी आग की। यह आग लखी शाह बंजारा में जलने लगी थी। लखी शाह बड़े व्यापारी थे, इसमें तो कोई संशय नहीं हो सकता। लेकिन उनके भीतर बंजारा समाज की भीतरी वेदना भी भरी हुई थी। यह मुगल शासन भी नहीं जानता था।

एटीएम मूल के आक्रमणकारियों ने उनके पूर्वजों को घर से बेघर किया हुआ था। यही वेदना बंजारों को मुगलों की चुनौती स्वीकार करने की प्रेरणा देती रहती थी। बंजारों के पूर्वजों ने अरबों, तुर्कों व मुगलों द्वारा पूर्वकाल में दी गई चुनौतियों को भी स्वीकारा था। वे भागे नहीं थे, लड़े थे। वही चुनौती फिर दशतक दे रही थी।

आज फिर वही चुनौती स्वीकार करने का अवसर आ गया था। मुगल बादशाह द्वारा दी गई चुनौती। जिस दिन दिल्ली के चान्दनी चौक में गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हुआ, उस दिन लखी शाह बंजारा लगभग तीन सौ छकड़ों के साथ व्यापार के लिए कुछ सामग्री लेकर दिल्ली आ रहा था। सारी दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ था। राश्ते में ही अन्य बंजारों ने लखी शाह को इस अमानवीय कांड की पूरी जानकारी दी।

सबसे बड़ी चुनौती तो यह थी कि मुगल सेना ने गुरुजी के शरीर का विधिवत दाह संस्कार करने की भी मनाही कर दी थी। इसका प्रयास करने वाले को दंडित किया जाएगा, यह भी निश्चित था। मुगल शासन में यह दंड किस प्रकार का हो सकता था, यह समझा जा सकता है। यह चुनौती किसी व्यक्ति विशेष को नहीं बल्कि पूरे भारत को थी। लखी शाह जानता था, बंजारों के अतिरिक्त सारे भारत का प्रतिनिधित्व और कौन कर सकता है? ये बंजारा ही हैं जो भारत मां की रज माथे पर लगा कर पूरा भारतवर्ष घूमते हैं। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक। कश्मीर से कन्याकुमारी और कटक से अटक तक। उसने निर्णय कर लिया कि वह मुगल साम्राज्य की इस चुनौती को स्वीकार करेगा। गुरुजी के शरीर का संस्कार करेगा, चाहे उसे इसके लिए कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

उसने अपने पुत्रों नगाहिया, हेमा आदि से भी इस विषय पर बात की। वे भी इस पवित्र कार्य में अपने पिता के सहयोगी बने। लेकिन प्रश्न था कि यदि लखी शाह किसी तरह से गुरुजी का धड़ उठा भी लेता है तो उसको लेकर कहां जाएगा और उनका दाह संस्कार कैसे करेगा? मुगल सेना तो चौकन्ना होगी ही। उसने मन ही मन सब योजना बना ली थी। अब केवल इस योजना को क्रियान्वित करने की रणनीति बनाने का था। अन्धेरा हो जाने पर ही वह अपने छकड़े लेकर चान्दनी चौक के पास पहुंचेगा और वह पहुंच भी गया। शायद देवता भी लखी शाह का साथ दे रहे थे। मूसलाधार वर्षा होने लगी थी। हाथ को हाथ दिखाई नहीं दे रहा था। मुगल सैनिक वर्षा से बचने के लिए इधर उधर जगह तलाश रहे थे। इसी समय लखी शाह का काफिला वहां पहुंचा। बादलों की भयंकर गड़गड़ाहट के बीच बिजली गरजी। चारों ओर क्षण भर के लिए प्रकाश हो गया। मुगल सैनिकों ने देखा लखी शाह बंजारा का काफिला जा रहा था।

वे उसे जानते थे क्योंकि वही लाल किले में रसद मुहैया करवाता था। इसलिए उन्होंने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया। लेकिन क्षण भर के लिए हुए बिजली के उसी प्रकाश में लखी शाह ने भी धरती माता की गोद में पड़ा गुरु तेग बहादुर जी का धड़ देख लिया था। ऐसा लगा मानो प्रकृति भी दाह संस्कार से पहले अपने बेटे को नहला रही हो। छकड़े एक एक कर गुजर रहे थे। बिना क्षण भर की भी देर किए, लखी शाह और उसके बेटों ने गुरु जी का धड़ उठाया और उसे छकड़े में रख कर ढक दिया।

काफिला पहले की ही तरह रायसीना टांडा की ओर चलता रहा। बंजारों का यह बहुत बड़ा टांडा था। अन्ततः वे सभी गुरु जी की देह को लेकर अपने टांडा रायसीना पहुंच गए। लेकिन प्रश्न था कि वे इसका विधिवत संस्कार कहां करें? ज्यादा समय भी नहीं था।

वर्षा के थमते ही मुगल सैनिकों को धड़ के गुम हो जाने का पता चल ही जाएगा। तब शक लखी शाह पर ही होगा क्योंकि उसी का कारवां वहां से गुजरा था। लखी शाह ने भी पहले ही इस परिस्थिति का अनुमान लगा रखा था।

यदि बंजारा आने वाले संकट का अनुमान न लगा सके, तो वह बंजारा कैसा? इसलिए जल्दी जल्दी संस्कार की तैयारी की। वर्षा रुक गई थी। शव को नहलाने का कर्त्तव्य तो इन्द्र देवता ने ही पूरा कर दिया था।

उसने अपने पुत्रों की सहायता से शव को उठा कर अपने घर के अन्दर पूरे सम्मान से भूमि पर लिटा दिया। धरती मां ने अपने सुपुत्र को अपनी गोद में ले लिया। अंतिम बार गुरुजी के चरण स्पर्श कर लखी शाह और उसके बेटे बाहर आ गए। अब दाह संस्कार की केवल अंतिम क्रिया बची थी। मुखाग्नि? लखी शाह ने यह मुखाग्नि अपने घर को आग लगा कर दी।

आकाश को छूती हुई अग्नि की लपटें उठने लगीं। आधी रात को आग की लपटें देख सारा गांव एकत्रित हो गया। सबने देखा लखी शाह का घर जल रहा था। लोग अफसोस करने लगे।

वे लखी शाह को ढांढस बंधा रहे थे। किसी ने कहा, लखी शाह, अग्नि देव ने तो जुल्म कर दिया। लखी शाह चुप रहा। वह जानता था अग्नि देवता ने जुल्म नहीं किया था, बल्कि अग्नि देव इस अद्वितीय बलिदान को नमन कर रहे थे। बाद में श्री गोविन्द सिंह जी ने कहा भी- 'है है है सभ जग भयो जै जै सुरलोक।'

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

झींगुर बना छांगुर

बीपी गौतम

उत्तर प्रदेश में बलरामपुर जिले के जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के कुकृत्य के खुलासे से न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि, समूचा देश श्तब्ध दिखाई दे रहा है। एक समय भीख मांग कर जीवन गुजारने वाला छांगुर बाबा न सिर्फ करोड़ों की संपत्ति का स्वामी बन गया बल्कि, उसने समूचे सिस्टम पर ही कब्जा कर लिया। हिंदुओं और विशेष कर सवर्ण लड़कियों को मुस्लिम बनाने का अभियान चला रहा था, इसके बदले मोटी रकम देता था, अब छांगुर बाबा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के निशाने पर आ गया है। छांगुर बाबा और उसके गिरोह पर लगातार शिंकजा कसा जा रहा है, इस स्टोरी में छांगुर बाबा के कुकृत्यों की ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा प्रकरण

बलरामपुर जिले में उतरौला क्षेत्र के निवासी 50 हजार के इनामी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण कराने के प्रकरण में महिला मित्र व कथित बीवी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन के साथ शनिवार को गिरफ्तार किया था। छांगुर बाबा और नसरीन को न्यायालय में पेश किया गया। एनआईए की विशेष अदालत के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने बुधवार को छांगुर बाबा और नसरीन की सात दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली, दोनों की रिमांड अवधि बृहस्पतिवार से शुरू होगी, इस दौरान छांगुर बाबा से आईबी और एनआईए के अधिकारी भी पूछ-ताछ करेंगे, जिससे और बड़े खुलासे हो सकते हैं, इस मामले की जांच यूपी एटीएस और एसटीएफ के साथ अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा भी की जायेगी। छांगुर बाबा और नीतू की गिरफ्तारी से पहले ही छांगुर बाबा के बेटे महबूब और नीतू के पति नवीन को जेल भेजा चुका है। एटीएस की विवेचना में उपरोक्त चारों के साथ लगभग 18 लोग सम्मिलित हैं, जिनकी तलाश जारी है।

ऐसे हुआ सनसनीखेज खुलासा

लखनऊ के शनिदेव मंदिर में तीन जुलाई को विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने धार्मिक विधि से इस्लाम स्वीकार कर चुके 15 लोगों को पुनः हिंदू बनाया था, इस दौरान विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने आरोप लगाया था कि बलरामपुर जिले में अतरौली क्षेत्र का निवासी छांगुर बाबा ने आर्थिक लालच देकर धर्मांतरण कराता है, इसके लिये उसे भारी मात्रा में विदेशी धन प्राप्त होता है। उन्होंने आरोप लगाया था कि इसके हिंदू महिलाओं की शादी दूसरे धर्म के लोगों से करवाई गई हैं। गोपाल राय ने आरोप लगाया था कि बलरामपुर और आस-पास के जिलों के 6000 से अधिक लोगों का धर्म-परिवर्तन कराया जा चुका है। उन्होंने पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने की मांग की थी, इस आरोप के बाद एसटीएफ और अन्य एजेंसियां हरकत में आईं तो, सनसनीखेज खुलासे होते चले।

कभी भीख मांगता था छांगुर बाबा

छांगुर बाबा बलरामपुर जिले के गांव रहरा माफी का मूल निवासी है। छांगुर बाबा किसी समय भीख मांग कर गुजारा करता था, इसके बाद महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित एक दरगाह के बाहर अंगूठी बेचने का धंधा करने लगा, इस दौरान ही वह अवैध धर्मांतरण के अंतर्राष्ट्रीय सिंडीकेट का हिस्सा बन गया और फिर खाड़ी देशों की कई संस्थाओं से जुड़ता चला गया, जहां से उसे अपार धन मिलने लगा, इसके बाद उसने अपना नेटवर्क स्थापित किया और बड़े श्तर पर हिंदुओं का धर्म-परिवर्तन कराने लगा, साथ ही स्वयं को उसने जिंदा पीर प्रचारित कर दिया, जिससे उसके प्रति आस्था और श्रद्धा भी बढ़ती चली गई, फिर वह और उसके गिरोह से जुड़े लोग बड़े श्तर पर लोगों को इस्लाम के प्रति प्रेरित करने लगे और प्रलोभन भी देने लगे, इसके लिये छांगुर बाबा जगह-जगह कार्यक्रम भी आयोजित कराने लगा। छांगुर बाबा गांव मधपुर में स्थित चांद औलिया दरगाह में सालाना उर्स भी कराता था, जिसमें विदेश से भी लोग आते थे। छांगुर बाबा का बलरामपुर में बस स्टेशन के पास विशाल कपड़ों का बड़ा शोरूम है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है, अब छांगुर बाबा अकूत संपत्ति का स्वामी है।

छांगुर बाबा की सिस्टम में है गहरी पैठ

छांगुर बाबा ने पुलिस-प्रशासन और न्यायालय में गहरी पैठ बना ली थी। स्थानीय श्तर पर लोगों के विरुद्ध फर्जी शिकायतें करवा देता था एवं न्यायालय में परिवाद दायर करवा देता था, जिसके बाद फैसला कराता था और फिर इस्लाम स्वीकार करने का दबाव बनाता था। सिस्टम में बैठे कई लोगों को वो मोटी रकम देता था और कुछेक लोग धर्म के नाम पर उसकी मदद करते थे, इसकी पुष्टि आगे एजेंसियों की जाँच में ही हो सकेगा। छांगुर बाबा की ताकत का अहसास, इससे लगाया जा सकता है कि उसका कोई विरोध कर देता था तो, उसके समर्थक उसके साथ मारपीट करते थे और फिर विरोध करने वाले पीड़ित पर ही तत्काल मुकदमा दर्ज करा दिया जाता था, उसके कई रिश्तेदारों पर आजमगढ़ के देवगांव थाने में दो वर्ष पूर्व मुकदमा दर्ज हुआ था, फिर भी सब कुछ सामान्य ही रहा।

डेमोग्राफी बदलना चाहता था छांगुर बाबा

छांगुर बाबा का उद्देश्य घृणित और डरावना कहा जा सकता है। माना जा रहा है कि वह बलरामपुर और आस-पास के जिलों की धार्मिक बसावट बदलना चाहता था। एटीएस ने भी न्यायालय में जानकारी दी है कि उसका मंसूबा बलरामपुर में इस्लामी दावा केंद्र और मदरसा बनाने का था, वह हिंदू धर्म के प्रति नफरत फैलाकर भारत को इस्लामी मुल्क बनाना चाहता था। एटीएस के वकील ने अदालत को बताया कि छांगुर बाबा संगठित रूप से हिंदू, गैर-मुस्लिम समुदाय के गरीबों, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्ग के लोगों, विधवा महिलाओं को आर्थिक मदद, शादी कराने, नौकरी का लालच देकर अवैध तरीके से धर्मांतरण कराता था, कई लोगों का धर्मांतरण डरा-धमकाकर भी कराया गया है, वह अवैध धर्मांतरण कर मुस्लिमों की संख्या बढ़ाकर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर रहा था।

धर्म बदला पर कागजों में नाम नहीं बदला

छांगुर बाबा ने अपने साथी नवीन घनश्याम और नीतू की नाबालिग बेटी का दुबई में धर्मांतरण कराया था लेकिन, चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों के धर्म-परिवर्तन करने के बावजूद उनका पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाते हिंदू नाम से ही हैं, इनके नाम पर बड़ी संख्या में जमीनें खरीद रहा था। सूत्रों के अनुसार गिरोह ने अलग-अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी अधिक बैंक अकाउंट खुलवाये हैं, जिनमें 100 करोड़ रुपये से भी अधिक की धन का आवागमन होने की आशंका जताई जा रही है, इसी रकम से न सिर्फ धर्मांतरण कराया जा रहा था बल्कि, छांगुर बाबा आलीशान कोठियां बनवा रहा था और और लग्जरी गाड़ियां खरीद रहा था। नीतू तमिलनाडू मूल की बताई जा रही है, जो हिंदू लड़कियों को फंसाने में अहम भूमिका निभाती थी।

धर्मांतरण के लिये खोलने वाला था कॉलेज

छांगुर बाबा मधपुर में आलीशान कोठी बनवाने के बाद बराबर में ही डिग्री कॉलेज खोलने की तैयारी कर रहा था, इस दिशा में निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया था, इस कॉलेज के द्वारा वह और बड़े श्तर पर धर्मांतरण कराने की **योजना बना रहा था।**

छांगुर बाबा की कोठी का अवैध हिस्सा ध्वश्त छांगुर बाबा पर बुलडोजर कार्रवाई हो गई है, उसकी आलीशान कोठी पर 9 बुलडोजर चढ़ गये। कोठी में 70 से ज्यादा कमरे और हॉल हैं, इनमें 40 कमरों वाले हिस्से को अवैध बताया गया है। तीन बीघा जमीन पर बनी किले जैसी कोठी उतरौला-मनकापुर मुख्य मार्ग पर है। उतरौला तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति के अनुसार 17 मई, 17 जून और 7 जुलाई को अवैध निर्माण हटाने का नोटिस दिया गया था, जिसका कोई जवाब नहीं दिया गया, इसलिये प्रशासन ने अवैध निर्माण को ध्वशत करने का निर्णय लिया। ध्वशतीकरण की कार्रवाई देखने के लिये जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों पर इस तरह की कार्रवाई चलती रहेगी। सरकारी जमीन से कब्जा हटाने पर खर्च की वसूली भी संबंधित से ही की जायेगी, वहीं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार का कहना है कि छांगुर बाबा सहित अन्य पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

किला और महल जैसी सुविधा से युक्त थी कोठी

छांगुर बाबा की कोठी के अंदर एक छोटे-मोटे गांव से भी अधिक सुविधायें और साधन दिखाई दिये, इसमें 10 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, कोठी के चारों ओर बाउंड्री वाल पर तार लगा है, जिसमें रात को करेंट दौड़ा दिया जाता है, इसके अंदर मुख्य द्वारा से लेकर 500 मीटर लंबी की प्राइवेट सड़क बनी हुई है। कोठी के अंदर मिनी पॉवर हाउस दिखाई दिया, इसके अंदर अत्याधुनिक बैट्री और विशाल जनरेटर लगे हैं। शानदार घोड़ा और विदेशी कुत्ते देखे गये। छांगुर बाबा के जर्मन शेफर्ड कुत्तों के नौ बच्चों को कार्रवाई के दौरान ग्रामीण उठा ले गये लेकिन, पुलिस की चेतावनी के बाद कुत्ते वापस दे दिये गये, इसके अलावा अत्याधुनिक तकनीक वाले बाथरूम में विदेशी प्रोडक्ट एवं मसाज ऑयल भी मिला।

संगठित अपराध करता है था छांगुर बाबा

एटीएस चीफ अमिताभ यश ने बताया कि धर्मांतरण गिरोह की साजिशें बेहद खतरनाक थीं। हिंदू समाज की लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर, झूठे नामों से शादी का झांसा देकर उनका ब्रेनवाश किया जाता था। ऐसा ही लखनऊ निवासी गुंजा गुप्ता के साथ हुआ था।

अबू अंसारी नामक युवक ने अमित बनकर फंसाया और छांगुर बाबा की दरगाह ले गया, जहां उसका नाम बदलकर अलीना अंसारी कर दिया, इसके बदले उन्हें अच्छी जिंदगी, पैसे और सुरक्षा का लालच दिया गया। गिरोह ने हिंदू लड़कियों के धर्म-परिवर्तन के लिये बाकायदा दरें तय कर रखी थीं।

एटीएस की जांच में सामने आया कि ब्राह्मण, क्षत्रिय और सिख लड़कियों के लिये 15-16 लाख, पिछड़ी जातियों के लिए 10-12 लाख और अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख तक की राशि निर्धारित थी। यह धर्म-परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं बल्कि, पूरी तरह से संगठित आर्थिक अपराध था। सिर्फ प्रेमजाल ही नहीं बल्कि, गरीब और असहाय लोगों को भी यह गिरोह निशाना बनाता था। यदि कोई धर्मांतरण से इनकार करता तो, उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती थी, इस कार्य में छांगुर बाबा के साथ महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, सगीर, कथित पत्रकार एमेन रिजवी और नीतू जैसे लोग शामिल थे। यूपी एटीएस मामले की छानबीन कर रही है, साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी की जा रही है।

अमिताभ यश ने जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को बताया था कि वह खुद को पीर बाबा और हजरत बाबा जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता था, उसने शिजर-ए-तैय्यबा नामक पुश्तक भी प्रकाशित की थी, इसका उपयोग वह और उसके सदस्य इस्लाम धर्म के प्रचार-प्रसार और ब्रेनवाशिंग में करते थे। जमालुद्दीन की काफी समय से तलाश की जा रही थी, इस पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

बबीता चौहान ने मांगी मौत की सजा

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने धर्म-परिवर्तन गैंग के कथित मास्टर माइंड के लिये मौत की सजा की मांग की है। छांगुर बाबा के कुकृत्यों की निंदा करते हुये बबीता चौहान ने इसे एक सुनियोजित साजिश करार देते हुये कहा कि हमारी बेटियां जबरन धर्म-परिवर्तन की जहरीली विचारधारा की टेस्ट लैब नहीं हैं।

बबीता चौहान ने सोमवार को जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि जो लोग लड़कियों को धोखा देते हैं और उनका विश्वास को रौंदते हैं, वे लोग समाज के दुश्मन होते हैं और ऐसे अपराधियों को मौत की सजा से कम कुछ नहीं मिलना चाहिये, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध धर्म-परिवर्तन को रोकने के लिये पहले ही कड़े कानून बना रखे हैं और अब समाज को भी अपनी चुप्पी तोड़कर खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने झूठ, चालाकी और लालच के जरिये जबरन धर्म-परिवर्तन को अक्षम्य अपराध करारा देते हुये मौत की सजा की मांग दोहराई है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने राज्यभर की महिलाओं से एकजुट होकर ऐसी खतरनाक साजिशों के खिलाफ आवाज उठाने का अनुरोध किया। आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि छांगुर बाबा की गिरफ्तारी गैरकानूनी धर्म-परिवर्तन के खिलाफ चल रही कार्रवाई में एक अहम कदम है।

जब छात्र हत्यारे बन जाएं: चेतावनी का वक्त

प्रियंका सौरभ

हिसार में शिक्षक जसवीर पातू की निर्मम हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना कोई साधारण आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे गिरते नैतिक मूल्यों, संवादहीन परिवार व्यवस्था, और संवेदनहीन शिक्षा प्रणाली का कठोर दर्पण है। जब एक छात्र ही अपने शिक्षक का हत्यारा बन जाए, तो यह केवल व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का पतन है।

आज विद्यालय शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि हिंसा, डर और असुरक्षा का केंद्र बनते जा रहे हैं। शिक्षक, जो कभी मर्यादा, संयम और अनुशासन के प्रतीक माने जाते थे, अब अपने ही छात्रों से भयभीत रहने लगे हैं। क्या यही है आधुनिक शिक्षा की सफलता? क्या इसी दिन के लिए हमने विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं और डिजिटल पठन-पाठन का विश्तार किया था? इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि हमारे बच्चे इतने क्रूर कैसे हो गए? उनके भीतर सहनशीलता, करुणा और विवेक की जगह गुस्सा, हिंसा और प्रतिशोध ने क्यों ले ली है? इसका उत्तर हमें विद्यालयों या सरकार से नहीं, बल्कि अपने घरों और आत्मचिंतन में खोजना होगा।

आज का बच्चा मोबाइल की स्क्रीन में दुनिया ढूंढ रहा है। माता-पिता उसके पास होते हुए भी उसकी दुनिया से दूर हैं। भोजन करते समय, यात्रा करते समय या घर पर बैठते समय भी वह किसी वीडियो, खेल या आभासी मित्र के साथ जुड़ा होता है। उसका वाश्तविक जीवन धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और वह एक कृत्रिम आक्रोशपूर्ण दुनिया में जी रहा है।

विद्यालयों में नैतिक शिक्षा अब केवल पुश्तकों तक सीमित रह गई है। 'सत्य', 'अहिंसा', 'क्षमा' जैसे शब्द अब पाठ्यपुश्तकों की शोभा बनकर रह गए हैं। न शिक्षक के पास समय है, न पालकों के पास धैर्य, और न समाज के पास कोई दिशा। बच्चों के भीतर जो आक्रोश पनप रहा है, वह इसी उपेक्षा और संवादहीनता की उपज है।

मन के भीतर जब दर्द, कुंठा और अस्वीकार का जहर भरता है, तो वह या तो आत्मघात की ओर ले जाता है या फिर हत्या की ओर। और जब यह जहर एक किशोर के भीतर भर जाए, तो परिणाम वही होता है जो हमने जसवीर पातू की हत्या के रूप में देखा।

मनोरोग विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि किशोरों में बढ़ती हिंसा का कारण संवाद की कमी है। वे अपनी बात कहने, ग़लतियों को साझा करने, और मदद मांगने में संकोच करते हैं। माता-पिता अक्सर बच्चों को डांटते हैं या नकारते हैं, जिससे बच्चा आंतरिक रूप से विद्रोही बनता चला जाता है। विद्यालय में भी उसे एक अंक, एक परीक्षा, एक प्रदर्शन से ही मापा जाता है। उसके मनोभावों, उसकी मानसिक स्थिति और उसके व्यवहार पर कोई ध्यान नहीं देता। क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री लिवाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है? और चरित्र निर्माण तब तक संभव नहीं जब तक शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास न हो, माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद न हो, और समाज के भीतर मूल्य आधारित सोच का विश्तार न हो।

प्रशासन की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह लगते हैं। जब तक कोई घटना नहीं होती, तब तक सब कुछ सामान्य माना जाता है। लेकिन जब कोई शिक्षक मारा जाता है, तब ज्ञापन दिए जाते हैं, धरने होते हैं, और कुछ समय बाद फिर सब भुला दिया जाता है। यही चक्र लगातार दोहराया जा रहा है।

शिक्षक अब अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रशासन से गुहार कर रहे हैं। विद्यालय संचालक बोर्ड अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन क्या केवल कार्रवाई से यह समस्या सुलझ जाएगी? हमें मूल में जाकर देखना होगा कि बच्चों के मन में यह हिंसा कैसे जन्म लेती है।

हमारे विद्यालयों में मानसिक परामर्शदाता होना चाहिए, प्रत्येक छात्र की मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, परिवारों को बच्चों के साथ संवाद का प्रशिक्षण देना चाहिए। विद्यालयों में केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं, जीवन के लिए तैयार करने की भी आवश्यकता है।

आज आवश्यकता है एक 'संवाद पुनरुद्धार अभियान' की, जो घर-घर तक पहुंचे। हमें माता-पिता, शिक्षक और छात्र — इन तीनों के बीच विश्वास और सहअश्तित्व की भावना को पुनः जागृत करना होगा। अगर हम बच्चों से सुनना नहीं चाहेंगे, तो वे हिंसा से बोलना सीख जाएंगे। शिक्षक अब अपने अधिकारों और अश्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह स्थिति शर्मनाक है। एक समाज जो अपने गुरु को सम्मान नहीं दे सकता, वह कभी समृद्ध नहीं हो सकता। अगर हमने अब भी नहीं समझा कि यह शिक्षक की नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी की हत्या है, तो वह दिन दूर नहीं जब हर विद्यालय एक युद्धभूमि बन जाएगा। हमें यह समझना होगा कि बच्चे गलत नहीं होते, वे केवल अनसुने होते हैं। अगर वे प्यार, समझ और सही दिशा पाएँ तो वही बच्चा दुनिया बदल सकता है। परंतु अगर वह उपेक्षा, अस्वीकार और हिंसा का शिकार बने तो वही बच्चा एक शिक्षक का हत्यारा भी बन सकता है। सरकार को चाहिए कि वह विद्यालयों में नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, संवाद सत्र, और अभिभावक-शिक्षक सम्मेलनों का आयोजन करवाए। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को केवल आज्ञा न दें, बल्कि उनकी बातें भी सुनें। और समाज को चाहिए कि वह शिक्षा को केवल नौकरी पाने का माध्यम न माने, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रक्रिया के रूप में देखे।

यह घटना हमें नींद से जगाने आई है। यह कोई समाचार पत्र की एक ख़बर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक चेतावनी है। अगर हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में हमारे विद्यालयों में पुश्तकों से अधिक हथियार मिलेंगे, और शिक्षकों से अधिक सुरक्षा कर्मी।

आज भी समय है कि हम इस चेतावनी को गंभीरता से लें। हम संवाद को पुनर्जीवित करें, शिक्षा को पुनरर्थित करें, और अपने बच्चों को हिंसा से नहीं, समझ से जीतना सिखाएं। तभी हम एक सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त भारत की कल्पना कर सकेंगे।

(स्वतंत्र लेखिका, कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

जमीन के नाम पर निवेशकों के 49 हजार करोड़ हड़पने वाला गिरफ्तार, कई राज्यों में थीं कंपनी की शाखाएं

लखनऊ, एजेंसी। भूखंड देने का झांसा देकर निवेशकों का करीब 49 हजार करोड़ हड़पने वाली कंपनी पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लि. (पीएसीएल) के संचालक गुरनाम सिंह को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने पंजाब के रोपड़ से गिरफ्तार कर लिया। उसने यूपी, असम, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार में शाखाएं खोली थीं।

कारपोरेट कार्यालय दिल्ली में था। उसे वर्ष 2016 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, जमानत पर छूटने के बाद ईओडब्ल्यू ने दबोचा। डीजी ईओडब्ल्यू नीरा रावत ने बताया कि पीएसीएल ने बिना वैध पंजीकरण के बैंकिंग कार्य किया।

महोबा, सुल्तानपुर, फर्रुखाबाद, जालौन में शाखाएं खोलकर भूखंड देने के नाम पर लोगों से धनराशि जमा कराई और उसके बॉन्ड जारी कर दिए। बाद में कंपनी ने निवेशकों को न भूखंड दिए और न ही जमा धन वापस किया। ईओडब्ल्यू, कानपुर में वर्ष 2018 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

आजमगढ़ में युवक की हत्या: पुलिस चौकी से चंद कदम दूरी पर मिला शव, प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से जलाने का आरोप

आजमगढ़ , एजेंसी। आजमगढ़ जिले के मेंहनगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर पुलिस चौकी से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित कूड़ा घर की दीवार से एक युवक का शव लटकता मिला। इसकी सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सिंहपुर गांव निवासी 21 वर्षीय योगेश कुमार पुत्र स्व. श्यामबली के रूप में हुई। ग्रामीणों ने शव को देखते ही पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।

परिजनों और ग्रामीणों ने घटना को लेकर आक्रोश जताया और इटौरा-कमहरिया मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। परिजनों का आरोप है कि योगेश की हत्या की गई है। हत्या से पहले उसके प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से जलाया गया है।

पुलिस ने जाम लगाने वाले ग्रामीणों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। मेंहनगर थाना प्रभारी ने बताया कि शव के पास से मिले साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर जांच की जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रतियोगी छात्रा का कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

प्रयागराज, एजेंसी। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के बड़ी बगिया में किराए के कमरे में रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा का शव शुक्रवार को उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कमरे से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना को लेकर परिजनों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

गाजीपुर जिले की रहने वाली श्रेयसी (20) कर्नलगंज इलाके के बड़ी बगिया में किराए पर कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी। शुक्रवार को सुबह उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। कमरे की कुंडी अंदर से बंद थी। सुबह काफी देर तक बाहर न निकलने पर मकान मालिक ने खिड़की से देखा तो घटना की जानकारी हुई। उसने पुलिस को सूचना देने के साथ ही घटना के संबंध में कुछ दूर पर रहने वाले लड़की के भाई को भी बताया।

पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। छानबीन में कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। रस्सी के सहारे लटके शव को पुलिस ने नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती के भाई ने कहा कि परिवार में भी सब कुछ ठीक चल रहा है। उसने आत्महत्या क्यों की इसको लेकर वह भी हतप्रभ है।

सावन के पहले दिन सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक, समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

गोरखपुर , एजेंसी। सावन माह के पहले दिन मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः काल रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

शुक्रवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया।

रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में च्जनता दर्शनज किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

मासूम की हत्या- 13 वर्षीय बालक से दरिंदगी...बंधे हुए हाथ और गले पर ऐसे निशान; लोगों का कांप गया कलेजा

फिरोजाबाद , एजेंसी। फिरोजाबाद के टूंडला सुभाष चौराहे स्थित पोस्ट ऑफिस के पास निर्माणाधीन दुकान की छत पर 13 वर्षीय एक किशोर का नग्नावस्था में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। किशोर से कुकर्म के बाद गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मामला सुभाष चौराहे से 20 मीटर दूर पोस्ट ऑफिस के पास की है। शुक्रवार सुबह एक निर्माणधीन दुकान की छत पर एक किशोर का शव पड़ा देख आसपास क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। सूचना मिलते ही एसएसपी सौरभ दीक्षित, एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद, सीओ अमरीश कुमार व थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह फ़ोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, किंतु काफ़ी समय तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। बाद में उसकी शिनाख्त कच्चा टूंडला निवासी मोहित पुत्र रमेश के रूप में हुई, जो रात्रि में कबाड़ा बीनने का काम करता था। मौके पर पहुंची फॉरेन्सिक टीम ने शाक्ष्य जुटाये है। एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद ने बताया की किशोर की गला दवा कर हत्या की गई है। हत्या किसने और क्यों की, इसके साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

मंदिर में हड्डी मिलने पर रोशनीकुंज में हंगामा, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल दोषमुक्त

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के मोदीपुरम में रोशनीकुंज स्थित शिव मंदिर में गुरुवार सुबह हड्डी मिलने से कॉलोनी के लोगों में रोष फैल गया और उन्होंने जमकर हंगामा किया। शिव मंदिर के पुजारी शंकर ने बताया कि जब वह मंदिर परिसर में पहुंचे तो पूजा अर्चना के लिए रखी हुई किताब में छोटी हड्डी रखी हुई थी, साथ ही चावल व रोली भी रखी थी।

किसी ने तंत्र क्रिया करने के लिए यह सब सामान रखा है। सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने लोगों को आश्वासन दिया कि जिसने ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

सरधना के मोहल्ला गढ़ी खटीकान निवासी राजेंद्र ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनके पुत्र रोहन के साथ फरवरी में सागर पुत्र राकेश ने मारपीट की थी। उक्त मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। राजेंद्र के अनुसार, सागर ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर मामले को रफा-दफा करवा दिया। सागर ने अपने चाचा प्रदीप के साथ मिलकर रोहन को रास्ते में घेर लिया और उस पर दोबारा हमला किया। आरोपियों ने मुकदमा कराने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। उन्होंने सागर और प्रदीप पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दो दिन में नौ किसानों की ट्यूबवेलों से ट्रांसफार्मर चोरी: मवाना के मटौरा के किसानों ने बताया कि आठ जुलाई की रात चोरों ने गांव निवासी किसान अमरपाल, लीलू, कंवरपाल और कुसुम के खेतों में लगी ट्यूबवेलों पर लगे बिजली के ट्रांसफार्मरों को चोरी कर लिया। इसके संबंध में तहरीर दी गई थी। पुलिस द्वारा चार ट्रांसफार्मर चोरी की घटना को गंभीरता से न लेने का नतीजा यह हुआ कि चोरों के हौंसले बुलंद हो गए। चोरों ने बुधवार रात चोरों ने किसान रकम पाल, राजपाल यादव, शोभाराम, प्रताप यादव व ऋषिपाल शर्मा की ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए पांच ट्रांसफार्मर चोरी कर लिए। इस संबंध में कुसुम ने थाने में तहरीर दी है।

सावन के पहले दिन विश्वनाथ धाम में उमड़े श्रद्धालु, भक्तों पर हुई पुष्पवर्षा; गूंजा हर-हर महादेव

वाराणसी , एजेंसी। सावन के पहले दिन शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों का रेला लग गया। मंगला आरती के साथ ही बाबा का दर्शन शुरू हुआ तो हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा धाम गूंज उठा। मंडलायुक्त व मंदिर के सीईओ समेत अन्य लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान श्रद्धालु खुशी से झूम उठे।

श्रावण मास के प्रथम दिवस का प्रारंभ भगवान विश्वनाथ की मंगला आरती से किया गया। मंगला आरती के बाद इस वर्ष मंदिर न्यास के कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस राजलिंगम की पहल पर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। धाम परिसर में बाबा विश्वनाथ, भगवान दंडपाणि एवं उनके मध्य स्थित भगवान बैकुण्ठेश्वर के तीन शिखरों के सम्मुख श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर शिखर आराधना के साथ-साथ भक्तों का स्वागत किया गया।

इसके बाद मुख्य गर्भगृह से मंदिर प्रांगण में ही विराजमान भगवान बद्रीनारायण मंदिर तक श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा करते हुए हरि-हर की काशी परंपरा को आगे बढ़ाया गया। यह पुष्प दिन भर श्रद्धालुओं को मां अन्नपूर्णा के अक्षत प्रसाद के साथ सावन के पहले दिन स्वागत भेंट के रूप में दिए जाएंगे।

मंगला आरती के बाद भक्तों का स्वागत करने के लिए मंदिर न्यास की कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस राजलिंगम, मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, डिप्टी कलेक्टर शम्भू शरण, तहसीलदार मिनी एल शेखर मौजूद रहे।

कमांड अस्पताल से बंगला बाजार तक 575 करोड़ रुपये के फ्लाईओवर प्रस्ताव को मंजूरी, जल्द शुरू होगा निर्माण

लखनऊ , एजेंसी। कैंट इलाके में कमांड अस्पताल के सामने से गुजरने वाले करीब एक लाख वाहन चालकों को रोजाना जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए कमांड अस्पताल से बंगला बाजार चौराहे तक एलीवेटेड फ्लाईओवर बनाने का फैसला हुआ है।

जिलाधिकारी विशाख जी ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी देकर शासन को कार्ययोजना में शामिल करने के लिए भेज दिया है। इस एलीवेटेड फ्लाईओवर के बनने से कमांड अस्पताल से पुरानी जेल होते हुए एयरपोर्ट तक आवागमन सुगम हो जाएगा। करीब तीन किमी लंबे पुल के निर्माण पर 575.16 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है।

एलीवेटेड फ्लाईओवर कमांड अस्पताल से पहले शुरू होगा। इससे कटाईपुल और फ्लाईओवर से आने वाले वाहन गुजर सकेंगे। इस पुल का प्रस्तावित निर्माण रूट कमान अस्पताल, कुवंर जगदीश चौराहा, पुरानी जेल होते हुए बंगला बाजार चौराहा है। सेतु निगम के अफसरों ने बताया कि फ्लाईओवर पर कमान अस्पताल से पहले चढ़कर बंगला बाजार चौराहे पर उतरने की व्यवस्था होगी।

...इसलिए पड़ी जरूरत: कैंट में कमांड अस्पताल के सामने से पुरानी जेल होकर एयरपोर्ट की ओर जाते वक्त वाहन चालकों को जबरदस्त जाम में उलझना पड़ता है। आमजन की इस समस्या को दूर करने के लिए रक्षामंत्री व सांसद राजनाथ सिंह ने कैंट में एलीवेटेड फ्लाईओवर बनाने का आदेश दिया। इसके बाद सेतु निगम ने इसका प्रस्ताव तैयार किया।

मंजूरी मिलते ही शुरू हो जाएगी कार्रवाई: शासन से इस फ्लाईओवर को कार्ययोजना में शामिल करने की मंजूरी मिलते ही सेतु निगम की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। हालांकि, सेतु निगम के लिए कमांड अस्पताल के सामने से एलीवेटेड फ्लाईओवर बनाना चुनौती साबित होगा। इसका कारण है कि फ्लाईओवर का जितना हिस्सा कैंट की जमीन पर बनेगा, उसकी जमीन सेना से मिलना आसान नहीं होगा।

एसी ठीक करने के बहाने घुसे थे बदमाश... पुलिस की तलाश जारी, 50 कैमरे खंगाले, तलाश के लिए दी दबिश

लखनऊ, एजेंसी। इंदिरानगर की राजकीय कॉलोनी में महिला से घर में घुसकर और बीकेटी में इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर दोपहर में दो लूट की वारदातें हुईं। दोनों में दो संदिग्ध युवक सीसीटीवी में कैद हुए। पुलिस को दोनों ही वारदातों में एक ही गिरोह के शामिल होने का शक है। लखनऊ स्थित इंदिरानगर में भूतनाथ के पास पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर राजकीय कॉलोनी में घर में घुसकर शशि पांडेय से लूटपाट के मामले में दो संदिग्ध कैमरे में कैद हो गए हैं। पुलिस की पांच टीमें बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक कुछ संदिग्धों की शशि से पहचान कराई गई थी। हालांकि, वह पहचान नहीं सकीं।

शशि का कहना है कि एक बदमाश घर के भीतर दाखिल हुआ था, जबकि दूसरा बाहर खड़ा था। दोनों की उम्र करीब 20 साल थी। पुलिस ने अब तक करीब 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। दो युवक बाइक से जाते दिखे हैं। बदमाश एसी ठीक करने के बहाने घर में घुसे थे और महिला पर हमला कर लूट लिया।

दोनों का हुलिया भी वारदात में शामिल बदमाशों से मिल रहा है। पुलिस बाइक नंबर के आधार पर दोनों की पहचान की कोशिश कर रही है। एक ही गिरोह ने तो नहीं की दोनों वारदात बुधवार को दो अलग-अलग स्थानों पर लूट की घटना हुई। दोपहर में बीकेटी में इलेक्ट्रानिक दुकान पर सामान खरीदने के बहाने दो बदमाश पहुंचे थे। एक बदमाश बाहर बाइक लेकर खड़ा था। दूसरे ने दुकान मालिक सुरेंद्र प्रसाद की चेन लूट ली थी। इस वारदात के ठीक एक घंटे बाद राजकीय कॉलोनी में बहाने से ही घर में घुसकर शशि के साथ लूटपाट की गई। दोनों ही घटनाओं में दो बदमाश शामिल थे। आशंका है कि कहीं एक ही गिरोह ने दोनों घटनाओं को अंजाम तो नहीं दिया है।

जेल से छूटे बदमाशों की खंगाली जा रही कुंडली: पुलिस हाल में जेल से छूटे बदमाशों की कुंडली खंगाल रही है। माना जा रहा है कि इस वारदात को आसपास के जिले के बदमाशों ने अंजाम दिया है। पुलिस ने सीतापुर, बाराबंकी और हरदोई में दबिश दी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी।

शहर में सुबह से ही छाये रहे बादल... पड़ी बौछारें

फिर कुछ देर बाद ही साफ हो गया आसमान

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। शुक्रवार से सुबह से ही आसमान में काले बादल छाये रहे और सुबह करीब साढ़े सात बजे शहर के कई इलाकों में बारिश हुई। इस दौरान बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे। हालांकि, कुछ ही देर बाद बादल छंट गए और धूप निकल आई।

इसके पहले बृहस्पतिवार को बादलों ने कुछ इलाकों में बारिश की। बाकी जगह गर्मी और भीषण उमस में लोग पसीने से परेशान रहे। गोमतीनगर, डालीबाग, पॉलीटेक्निक चौराहा आदि जगहों पर कुछ मिनट के लिए बौछारें पड़ीं। दोपहर बाद पारे में बढ़त के साथ उमस भरी गर्मी ने दोबारा सिर उठाया। मौसम विभाग के अनुसार लखनऊ में कुछ इलाकों में बूंदाबांदी की परिस्थितियां फिर बन सकती हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक राजधानी में 12 जुलाई के बाद मानसून फिर से जोर पकड़ेगा।

बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 2.3 डिग्री की बढ़त के साथ 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, रात का तापमान 1 डिग्री की गिरावट के साथ 27 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

सिपाही ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी, थाना परिसर में ही उठाया खौफनाक कदम

आजमगढ़ , एजेंसी। आजमगढ़ जिले के मेहनाजपुर थाना परिसर स्थित आवास में उस समय अफरा तफरी मच गई, जब थाने में तैनात हेड मुहर्रिर ने सरकारी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। वे बलिया जनपद के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कोकाढ़ी गांव के रहने वाले थे।

बलिया जनपद में सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कोकाढ़ी गांव निवासी नंदलाल राम मेहनाजपुर थाने में हेड मुहर्रिर के पद पर तैनात थे। वह लगभग नौ साल से थाने में इस पद पर अपनी सेवा दे रहे थे। कुछ महीने में उनका रिटायरमेंट होना था। नंदलाल का स्थानांतरण जौनपुर जनपद के लिए हो गया था। उनका परिवार बलिया में ही रहता है। वह अकेले यहां रहकर नौकरी करते थे।

शुक्रवार की सुबह नंदलाल आवास से निकलकर बाजार गए और चाय पीकर थाने में आ गए। यहां मालखाना खोलकर उन्होंने रिवाल्वर निकाली और अपने आवास में आ गए। यहां खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

गोली की आवाज सुनकर लोग उनके आवास पर पहुंचे तब तक नंदलाल की मौत हो चुकी थी। मौत का कारण नहीं पता चल सका है। सूचना मिलते ही सीओ लालगंज, फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस द्वारा परिवार को घटना की जानकारी दी गई है।

खुल्दाबाद में धर्मस्थल के पास बमबाजी करने वाले पर 25 हजार का इनाम घोषित, जारी किया स्क्रेच

यागराज , एजेंसी। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के बक्शी बाजार स्थित एक धर्मस्थल के पास बमबाजी करने वाले बदमाश की पुलिस ने पहचान कर ली है।

पुलिस के अनुसार पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मरियाडीह गांव के रहने वाले बान उर्फ मिस्बाहुद्दीन उर्फ आरडीएक्स पुत्र जियाउद्दीन ने आठ जुलाई को बमबाजी करके सनसनी फैला दी थी। उसके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। लगातार दबिश के बावजूद वह अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने उसका फोटो और स्क्रेच जारी किया है। खुल्दाबाद इलाके के बक्शी बाजार मोड़ पर एक धर्मस्थल के नजदीक आठ जुलाई की देर रात बमबाजी की गई थी। इससे इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाश की पहचान कर ली। उसको पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई गईं, लेकिन सफलता नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 25 हजार का इनाम घोषित करने के साथ ही उसका फोटो और स्क्रेच जारी किया है।

टेस्ट के बाद ओडीआई कप्तान बनेंगे शुभमन गिल!

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की टेस्ट रिटायरमेंट के बाद शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया. गिल, जो अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी कर रहे हैं. लेकिन सोशल मीडिया पर भारतीय ओडीआई टीम का कप्तान बदले जाने का टॉपिक ट्रेंड कर रहा है. दावा किया जा रहा है कि अगली वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा नहीं बल्कि शुभमन गिल कर सकते हैं. 2027 वनडे वर्ल्ड कप में शुभमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, लेकिन रोहित कब तक अपनी कप्तानी को सुरक्षित रख पाएंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है.

वहीं एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है भारत जब भी अपनी अगली एकदिवसीय शृंखला खेलेगा, उसमें रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल कप्तानी करेंगे. मौजूदा शेड्यूल पर नजर डालें तो टीम इंडिया को अगली ओडीआई सीरीज अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलनी है.

शुभमन गिल के अभी तक ओडीआई करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 55 मैचों में 59.04 के बेहद शानदार औसत से 2,775 रन बनाए हैं. एकदिवसीय क्रिकेट में उनके नाम 8 शतक और 15 हाफ-सेंचुरी भी हैं.

कब होगी टीम इंडिया की अगली ओडीआई सीरीज: भारतीय टीम की अगली ओडीआई सीरीज अगस्त महीने में बांग्लादेश के साथ होने वाली थी, लेकिन इस दौरे को रद्द कर दिया गया है. अगर बांग्लादेश के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज नहीं हो पाती है तो टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी.

वैभव सूर्यवंशी-आयुष होंगे ओपनर

इंग्लैंड के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम और इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी और इस सीरीज का पहला मैच 12 जुलाई से शुरू होगा। इस टेस्ट सीरीज में एक मैच 4 दिनों का होगा और दोनों टीमें पहले मुकाबले में केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड, बेकेनहम में एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3.30 बजे से होगी।

इंडिया अंडर 19 टीम ने इस टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को 5 मैचों की वनडे सीरीज में 3-2 से हराया था। हालांकि इस वनडे सीरीज के आखिरी मैच में इंडिया को हार मिली थी। अब बारी रेड बॉल क्रिकेट की है जहां दोनों टीमों के धैर्य की परीक्षा होगी और बेहतर खेलने वाली टीम जीत हासिल करेगी। वैसे वनडे सीरीज में जीत के बाद अब इंडिया के पास इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में भी रौंदने का बेहतर मौका है।

वैभव-आयुष कर सकते हैं ओपन

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी वही टीम हिस्सा लेगी जिस टीम ने वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन यहां चुनौती कुछ अलग होने वाली है, लेकिन इंडिया ने जिस तरह का दम दिखाया उससे उम्मीद है कि टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। पहले यूथ टेस्ट के लिए अगर इंडिया की प्लेइंग इलेवन की बात करें तो इसमें एक बार फिर से ओपनिंग की जिम्मेदारी वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष महात्रे के हाथों में हो सकती है।

वैभव के लिए रेड बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का मौका

वैभव ने पिछले साल भी यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ दो मैच खेले थे और उसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा वनडे में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें रेड बॉल में भी ओपनिंग का मौका दिया जा सकता है। वैभव के लिए भी रेड बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का अच्छा मौका होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मैच में अभिज्ञान कुंडू को बाहर बिठाया गया था, लेकिन पहले टेस्ट मैच के लिए उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी हो सकती है। भारतीय बैटिंग क्रम में इसके अलावा विहान मलहोत्रा, राहुल कुमार, कनिष्क चौहान होंगे। गेंदबाजी की जिम्मेदारी अंबरीश, दीपेश देवेंद्रन, अनमोलजीत सिंह, युद्धजीत गुहा और नमन पुष्पक के हाथों में होगी।

पहले यूथ टेस्ट के लिए इंग्लैंड के खिलाफ इंडिया की प्लेइंग इलेवन

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, आरएस अंबरीश, दीपेश देवेंद्रन, अनमोलजीत सिंह, युधाजीत गुहा, नमन पुष्पक।

अगर टेनिस खेलते सूर्यकुमार तो...

धोनी को चुनते अपना डबल्स पार्टनर

लंदन, एजेंसी। सूर्यकुमार पहली बार विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वहां मौजूदगी से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विंबलडन ने भी उनकी एक फोटो शेयर की और लिखा, एसडब्ल्यू19 में रौनक लेकर आए सूर्यकुमार यादव!

आपको यहां देखकर खुशी हुई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जिन्होंने सेंटर कोर्ट का दौरा किया और विंबलडन मैच देखा। वह हाल ही में पत्नी देविशा शेट्टी के साथ मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान खुलासा किया कि वह अपने डबल्स जोड़ीदार के तौर पर भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को देखना पसंद करेंगे। सूर्यकुमार पहली बार विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वहां मौजूदगी से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विंबलडन ने भी उनकी एक फोटो शेयर की और लिखा, एसडब्ल्यू19 में रौनक लेकर आए सूर्यकुमार यादव! आपको यहां देखकर खुशी हुई। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी पत्नी संजना के साथ मैच देखने सेंटर कोर्ट पहुंचे थे। टेनिस को लेकर अपने लगाव के बारे में सूर्यकुमार ने बताया, मैं टीवी पर टेनिस बहुत देखता हूं। सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में हमेशा सुना करता था, खास तौर पर तब जब खिलाड़ी वहां प्रवेश करते हैं। अब इसे सामने से महसूस किया, यह बहुत ही खास अनुभव है।

जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर को टेनिस डबल्स (पुरुष युगल) पार्टनर चुनना हो, तो वे किसे चुनेंगे? इस पर सूर्यकुमार ने कहा, बिलकुल एमएस धोनी को। वह तेज हैं, सहनशक्ति बहुत ज्यादा है और मानसिक रूप से बेहद मजबूत हैं। और हाल ही में जब वे क्रिकेट नहीं खेल रहे होते हैं, तो मैंने उन्हें कई बार टेनिस खेलते देखा है। इसलिए मेरी पहली पसंद वही होंगे।

लॉर्ड्स टेस्ट

इंग्लैंड पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट, जसप्रीत बुमराह को 5 विकेट

- **रूट का शतक, कार्स ने 56 रन बनाए**

लंदन, एजेंसी। बुमराह ने इस सीरीज में दूसरी बार 5 विकेट हॉल हासिल किया है। उन्होंने जोफा आर्चर, क्रिस वोक्स, जो रूट बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक को आउट किया। भारत ने इंग्लैंड को लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट कर दिया है। शुक्रवार को मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 251/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया।

लंच से पहले इंग्लिश टीम ने 271 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जैमी स्मिथ (51 रन) ने ब्रायडन कार्स (56 रन) के साथ 8वें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी करके स्कोर 350 पार पहुंचा दिया। लॉर्ड्स मैदान पर 99 रन से पारी को आगे बढ़ाने वाले जो रूट ने 104 रन बनाए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके। उन्होंने इस सीरीज में दूसरी और करियर में 15वीं बार पारी में 5 विकेट झटके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए

100 टेस्ट खेलना बड़ी उपलब्धि: मिचेल स्टार्क

किंग्स्टन, एजेंसी। रविवार को अपने ऐतिहासिक 100वें टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और चोटों से जूझने के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने चुनौतियों को पार करते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपनी स्थायी छाप छोड़ी। स्टार्क ने इस उपलब्धि को बड़ा सम्मान करार दिया और कहा कि वह इस पर तब विचार करेंगे जब वह खेल से संन्यास लेंगे। रविवार को किंग्स्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में मैदान पर उतरते ही स्टार्क यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बन जाएंगे। इससे पहले ग्लेन मैक्ग्रा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। डे नाइट मैच में ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में क्लीन स्वीप करने का भी मौका होगा। स्टार्क ने अपने 100वें टेस्ट मैच से पहले क्रिकेट.कॉम.एयू से बातचीत की। बातचीत में उन्होंने अपनी शारीरिक देखभाल और दृढ़ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मैंने अपने शरीर का ध्यान रखा है और चोटों के बीच खुद को फिट रखने के तरीके खोज पाया जिससे मैं टीम के लिए उल्लेखनीय योगदान दे सकूं। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के 471 टेस्ट क्रिकेटरों में से केवल 15वें खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 टेस्ट मैचों की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा, मैं पहले भी एक ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जो चोटिल हो चुका है और टीम को एक खिलाड़ी कम होने का झटका दे चुका है, और मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करना चाहता था।

इसलिए जब चीजें ठीक नहीं चल रही हों, या दर्द हो रहा हो, या मैं किसी चीज से परेशान हो रहा हो, तब भी आगे बढ़ने और मैच खत्म करने और प्रभावशाली बने रहने के तरीके खोजना अहम होता है। यही प्रक्रिया रहती है। मुझे अपनी फिटनेस बनाए रखने में प्रशिक्षकों और फिजियोथेरेपिस्टों से भी काफी मदद मिली, और मेरे सबसे अच्छे साथियों ने भी मेरी मदद की, जिससे मैं खेलता रहा और टीम का हिस्सा बना रहा। स्टार्क अपने 100वें टेस्ट मैच में किंग्स्टन में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं।

99 टेस्ट मैचों में 395 विकेट ले चुके स्टार्क को 400 टेस्ट विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल पांच और विकेट चाहिए। यदि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच में यह कारनामा कर लेते हैं, तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा के साथ टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएंगे। मैकग्रा ने अपने करियर में 124 टेस्ट में 563 विकेट लिए थे।

लारा के सम्मान में 400 से पहले घोषित कर दी थी पारी, मुल्डर ने दिग्गज बल्लेबाज की प्रतिक्रिया शेयर की

बुलावायो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे।

इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए लेकिन बाद में उन्होंने खुलासा किया कि इस मामले पर लारा की दूसरी राय थी। मुल्डर ने कहा, 'अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर हुई हैं। मेरी ब्रायन लारा से भी बात हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी लीगेसी बना रहा हूं और मुझे रिकॉर्ड के लिए जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और उन्होंने यह उम्मीद जताई कि मैं दोबारा उस स्थिति में आऊं कि रिकॉर्ड तोड़ पाऊं।

उनकी ओर से यह एक दिलचस्प पहलू था लेकिन मुझे अब भी यही लगता है कि मैंने सही किया क्योंकि गेम की इज्जत करना मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मुल्डर का 367 का नाबाद स्कोर दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है और कुल मिलाकर यह टेस्ट में पांचवां व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर है।

मुल्डर ने कहा था कि दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने उनसे कहा था कि महान खिलाड़ियों का रिकॉर्ड महान खिलाड़ियों के नाम ही रहने देना उचित होगा। दक्षिण अफ्रीका तीन दिन के भीतर यह टेस्ट पारी और 236 रनों से जीत गया। इसी सप्ताह क्रिस गेल ने कहा था कि मुल्डर शायद पैनिक कर गए होंगे और उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ने का प्रयास ना कर गलती की है क्योंकि ऐसे अवसर जीवन में एक बार ही आते हैं। गेल ने कहा था, 'अगर मुझे 400 तक पहुंचने का मौका मिलता तो मैं निश्चित तौर पर इसके लिए जाता। ऐसा आम तौर पर नहीं होता है।

आपको नहीं पता कि अब आपको कब तिहरा शतक जड़ने का मौका मिलेगा। और जब आपको ऐसा मौका मिलता है तो आपको इसे भुनाने का पूरा प्रयास करना चाहिए। अगर आप महान खिलाड़ी बनना चाहते हैं तो आप कैसे बनेंगे? महान खिलाड़ियों के पास रिकॉर्ड भी होता है।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग चुनाव के चलते पोस्टपोन होगीचैयरमैन अनाम बोले- टूर्नामेंट मई में हो सकता है, नए स्टेडियम होंगे शामिल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश प्रीमियर लीग पोस्टपोन हो सकता है। बीपीएल के चेयरमैन महबूब अनाम ने कहा है कि आने वाला बीपीएल सीजन दिसंबर-जनवरी की जगह मई में कराया जा सकता है। महबूब अनाम ने यह जानकारी गुरुवार (10 जुलाई) को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आपात बैठक के बाद दी। अनाम ने कहा, यह फैसला देश में 2026 की शुरुआत में होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

इससे एक दिन पहले ही चीफ एडवाइजर प्रो. मुहम्मद यूनुस ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया था कि वे दिसंबर तक चुनाव की तैयारी पूरी कर लें। महबूब ने कहा, बीपीएल की तारीख चुनावों के कारण बदल सकती है। यह या तो दिसंबर से पहले होगा या फिर मई में कराए जाने की योजना है। सरकार के फैसले के बाद ही हम अगला कदम उठाएंगे।

नहीं होगा एशिया कप 2025?

भारत और श्रीलंका ने किया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 पर संकट के बादल और ज्यादा मंडराने लगे हैं. अब इस टूर्नामेंट के रद्द होने की संभावना जताई जा रही है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और श्रीलंका क्रिकेट ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है. रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोर्ड ने ये फैसला ऐसे समय लिया है, जब छह देशों के इस टूर्नामेंट के शुरू होने में दो महीने से भी कम दिन बचे हैं.

इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है. 5 सितंबर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो सकती है, लेकिन इससे पहले 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एसीसी की मीटिंग में बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट के हिस्सा न लेने से इस टूर्नामेंट के होने पर सवालिया निशान लग रहे हैं. बीसीसीआई ने एसीसी की मीटिंग ढाका में होने पर आपत्ति जताई है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी वर्तमान में एसीसी के अध्यक्ष हैं. बीसीसीआई ने हाल ही में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारत के बांग्लादेश दौरे को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के लिए मना लिया था. ये दौरा अगस्त में होने वाला था, लेकिन एसीसी ने अपनी बैठक ढाका में आयोजित कर दिया, जिससे बीसीसीआई खुश नहीं है, क्योंकि बांग्लादेश के राजनीतिक हालत इस समय ठीक नहीं है.

5 गेंद पर 5 विकेट, आयरलैंड के गेंदबाज ने रचा इतिहास; 87 पर 5 विकेट से 88 रन पर ऑल आउट हुई विरोधी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैंपर पेशेवर क्रिकेट में 5 गेंद पर 5 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार (10 जुलाई) को इंटर-प्रोविंसिल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ मुंस्टर रेड्स की ओर से खेलते हुए 2.3 ओवर में 16 रन देकर 5 विकेट लिए।

मुंस्टर रेड्स के कप्तान कैंपर ने अपने दूसरे और तीसरे ओवर में पांच विकेट लिए। इससे वॉरियर्स की टीम 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 से 88 पर ऑल आउट हो गई। पांच विकेट में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। कैंपर की स्विंग से गेंद ऑफ स्टंप पर जा लगी।

कैंपर ने हैट्रिक पूरी की

अगली गेंद पर ग्राहम ह्यूम बैकफुट पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। इनस्विंगर उनके पैड पर लगी। कैंपर ने अपने अगले ओवर की शुरुआत में हैट्रिक पूरी की। 14वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन डीप मिडविकेट की ओर स्लॉग शॉट खेलने में चूक गए।

रॉबी मिलर पहली गेंद पर कैच आउट हो गए

विकेट लेने का सिलसिला तब जारी रहा जब नंबर 10 रॉबी मिलर पहली गेंद पर कैच आउट हो गए। वह ऑफ स्टंप के बाहर गेंद को मारने की कोशिश कर रहे थे।

इसके बाद कैंफर ने राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए नंबर 11 पर जोश विल्सन को आउट किया।

चोट के बाद कैंफर का दूसरा मैच

उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज से बाहर होने के बाद यह कैंफर का दूसरा मैच था।

मंगलवार को लेइनस्टर लाइटनिंग के खिलाफ अपने वापसी मैच में उन्होंने 35 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी। गुरुवार को भी उन्होंने 24 गेंदों पर 44 रन बनाए और फिर पांच विकेट लिए।